CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-249
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अनुभव, ज्ञान उन्मेष और वयस् मनुष्य के विचारों को बदलते हैं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 14 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

छत्तीसगढ़ सरकार के फैसले से राइस मिलरों में नाराजगी, धान खरीदी पर संकट गहराया

रायपुर, छत्तीसगढ़ में धान खरीदी प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले ने राइस मिलरों के बीच नाराजगी पैदा कर दी है। इस विवाद ने प्रदेश की धान आधारित अर्थव्यवस्था और किसानों की आय पर संकट के बादल मंडरा दिए हैं। राज्य सरकार के इस कदम से न केवल राइस मिल उद्योग प्रभावित हो रहा है, बल्कि किसान भी चिंता में हैं। ग़ौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने इस वर्ष धान खरीदी में नई शर्तें लागू की हैं। इनमें प्रमुख बदलावों में राइस मिलों को निर्धारित समय सीमा में धान का उठाव और चावल की मिलिंग पूरी करने की बाध्यता शामिल है। इसके अलावा, सरकार ने चावल की गुणवत्ता को लेकर सख्त नियम लागू किए हैं, जिससे मिलरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। राइस मिलर एसोसिएशन का कहना है कि यह फैसला उनके व्यवसाय को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। वे इसे एकतरफा और व्यावसायिक हितों के खिलाफ बता रहे हैं। उनके मुताबिक, धान उठाव और मिलिंग की तय समय सीमा व्यावहारिक नहीं है क्योंकि हर वर्ष कई कारणों से काम में देरी होती है, जिसमें परिवहन, मजदूरों की उपलब्धता और बिजली की समस्या प्रमुख हैं। राइस मिलरों का आरोप है कि सरकार बिना उनकी समस्याओं को सुने निर्णय ले रही है। उनका कहना है कि गुणवत्ता के सख्त नियमों और समय सीमा के दबाव में कई छोटे राइस

मिलर्स कारोबार बंद करने पर मजबूर हो सकते हैं।इस संबंध में हमारे संवाददाता से बात करते हुए छत्तीसगढ़ राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा, हमारा व्यवसाय पहले से ही ऊर्जा लागत, मजदूरी और परिवहन शुल्क जैसी बढ़ती लागत से जूझ रहा है। अब नई शर्तों ने इसे और कठिन बना दिया है। यदि सरकार ने हमारी बात नहीं मानी, तो हमें मजबूर होकर आंदोलन करना पड़ेगा। इस विवाद का सीधा असर किसानों पर पड़ने की आशंका है। राज्य में धान उत्पादन करने वाले लाखों किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य तभी मिल सकता है, जब धान खरीदी और चावल की प्रोसेसिंग समय पर हो। यदि राइस मिलर अपनी नाराजगी के चलते धान नहीं उठाते, तो किसानों की उपज खुले में पड़े रहने का खतरा है, जिससे उनकी आय को भारी नुकसान हो सकता है।

एक किसान ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमें उम्मीद थी कि इस बार सरकार से सही मूल्य मिलेगा, लेकिन मिलर और सरकार के बीच विवाद से हमारी फसल खराब होने का डर है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और राइस मिलरों के बीच संवाद से ही इस समस्या का समाधान संभव है। सरकार ने इस विवाद पर सफाई देते हुए कहा है कि ये निर्णय किसानों के हित में लिए गए हैं। सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि सख्त नियम लागू करने का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि चावल की गुणवत्ता में सुधार हो और समय पर वितरण हो सके। उन्होंने कहा, हमारे फैसले का उद्देश्य किसानों को समय पर भुगतान और उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता का चावल उपलब्ध कराना है। राइस मिलर हमारे सहयोगी हैं, और हम उनकी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए तैयार हैं। यदि यह विवाद जल्द सुलझाया नहीं गया, तो इसका व्यापक प्रभाव छत्तीसगढ़ की धान आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। राज्य देश में धान उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और यहां के चावल का बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाता है। ऐसे में, इस विवाद का असर राज्य की वित्तीय स्थिति और रोजगार पर भी पड़ सकता है। सरकार और राइस मिलरों के बीच यह विवाद किस दिशा में जाएगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल, किसानों और राइस मिलरों की नजरें सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

कोविड-19 वैक्सीन के बाद स्वास्थ्य समस्याएँ: वास्तविकता और भ्रांतियाँ

कोविड-19 महामारी के दौरान टीकाकरण ने लाखों लोगों की जान बचाई और दुनिया को एक सामान्य स्थिति की ओर लौटने में मदद की। विश्वभर में, कोविड-19 वैक्सीन को बीमारी की गंभीरता को कम करने और संक्रमण के प्रसार को रोकने का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया। भारत में भी, कोविशील्ड, कोवैक्सिन, और अन्य वैक्सीनों ने व्यापक स्तर पर लोगों को टीकाकरण सुरक्षा प्रदान की। हालांकि, कुछ लोगों ने टीकाकरण के बाद विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की है। यह विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके साथ वैक्सीन की प्रभावशीलता और संभावित साइड इफेक्ट्स से जुड़ी भ्रांतियाँ और चिंताएँ भी जुड़ी हुई हैं। टीकाकरण के बाद स्वास्थ्य समस्याएँ- सामान्य और असामान्य लक्षणों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है सामान्य प्रतिक्रियाएँ - यह वे लक्षण हैं जो किसी भी टीके के बाद शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के प्रतिक्रिया स्वरूप सामान्य रूप से देखे जाते हैं- जैसे टीकाकरण के बाद अधिकांश लोग हल्के बुखार, मांसपेशियों में दर्द, या थकान महसूस करते हैं। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा एंटीबॉडी विकसित करने का संकेत है। इसी प्रकार इंजेक्शन के स्थान पर हल्का दर्द, लाली, या सूजन सामान्य है। कुछ लोगों में सिरदर्द और ऊर्जा की कमी देखी गई है, जो आमतौर पर 1-2 दिन में ठीक हो जाती है। कुछ दुर्लभ मामलों में, लोगों ने वैक्सीन के बाद अधिक गंभीर लक्षणों की शिकायत की है, जिनमें कोविशील्ड और एस्ट्राजेनेका जैसी वैक्सीन के बाद खून के थक्के बनने की दुर्लभ घटनाएँ सामने आई हैं, विशेषकर युवा महिलाओं में। कुछ मामलों में मायोकार्डिटिस (हृदय की मांसपेशियों की सूजन) और पेरिकार्डिटिस (हृदय की झिल्ली की सूजन) जैसी समस्याएँ देखी गई हैं, विशेष रूप से द्वक्ष वैक्सीन लेने वालों में।इसके अलावा एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है। यह स्थिति दुर्लभ है लेकिन कुछ मामलों में रिपोर्ट की गई है।कुछ लोगों में वैक्सीन के बाद तुरंत एलर्जी प्रतिक्रिया, जिसमें सांस लेने में तकलीफ, त्वचा पर चकत्ते, या ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट शामिल है। टीकाकरण के बाद स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर कई तरह की भ्रांतियाँ और डर भी बढ़ा है। सोशल मीडिया और गैर-प्रामाणिक स्रोतों के माध्यम से गलत सूचनाएँ फैलने के कारण कई लोग वैक्सीन को लेकर सशंकित हो गए। कुछ लोगों का मानना है कि वैक्सीन के दीर्घकालिक प्रभाव अभी तक पूरी तरह से ज्ञात नहीं हैं। वे इसे हृदय, तंत्रिका तंत्र, या प्रजनन क्षमता पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभावों के संदर्भ में देखते हैं। कई बार लोग वैक्सीन के बाद होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे सर्दी, बुखार, या थकान को भी वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स मान लेते हैं, जबकि ये जरूरी नहीं कि वैक्सीन से जुड़े हों।हालाँकि दुर्लभ लेकिन कुछ मामलों में, वैक्सीन के बाद मौतों की खबरें आईं। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य संस्थाओं ने इन घटनाओं का विश्लेषण करके पाया कि अधिकांश मामलों में ये मौतें वैक्सीन से संबंधित नहीं थीं। वैज्ञानिक अनुसंधान और डेटा यह स्पष्ट करते हैं कि कोविड-19 वैक्सीन के लाभ इसकी संभावित समस्याओं से कहीं अधिक हैं।टीकाकरण के बिना कोविड-19 के गंभीर परिणाम (जैसे अस्पताल में भर्ती, मृत्यु) का जोखिम वैक्सीन के संभावित साइड इफेक्ट्स की तुलना में बहुत अधिक है। जबकि असामान्य स्वास्थ्य समस्याएँ, जैसे खून के थक्के या हृदय संबंधी समस्याएँ, अत्यंत दुर्लभ हैं। करोड़ों लोगों को टीका लगाया गया है, और इनमें केवल एक छोटी संख्या में ऐसी घटनाएँ देखी गई हैं। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य एजेंसियाँ टीकाकरण के प्रभावों की निगरानी कर रही हैं। यदि किसी नई समस्या का संकेत मिलता है, तो इसे तुरंत जांचा और संबोधित किया जाता है। इस संबंध में लोगों को यह समझाने की आवश्यकता है कि वैक्सीन के बाद हल्के साइड इफेक्ट्स सामान्य हैं और ये प्रतिरक्षा प्रणाली के सक्रिय होने का संकेत हैं। पर यदि किसी को वैक्सीन के बाद गंभीर लक्षण महसूस होते हैं, तो उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। डॉक्टर की सलाह से इन लक्षणों का समाधान किया जा सकता है। लोगों को भी सोशल मीडिया या अफवाहों के बजाय, लोगों को प्रामाणिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।ग़ौरतलब है कि दीर्घकालिक प्रभावों का पता लगाने के लिए अनुसंधान जारी है। सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ इस डेटा को समय-समय पर जनता के साथ साझा करती रहें। कोविड-19 वैक्सीन ने दुनिया को महामारी के बुरे दौर से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, टीकाकरण के बाद कुछ स्वास्थ्य समस्याएँ सामने आई हैं, लेकिन ये ज्यादातर दुर्लभ हैं और व्यापक जनसंख्या में इसके लाभों की तुलना में नगण्य हैं। ग़ौरतलब है कि टीकाकरण न केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा कवच है, बल्कि यह समाज को कोविड-19 की गंभीरता से बचाने का सबसे मजबूत माध्यम है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि किसी भी दवा या वैक्सीन में साइड इफेक्ट्स का जोखिम होता है, लेकिन कोविड-19 वैक्सीन ने वैश्विक स्तर पर संक्रमण और मृत्यु दर को कम करके अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर हम इन चिंताओं को दूर कर सकते हैं और एक सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

सर्दी का सितम - 18 जिलों में शीतलहर

शाजापुर-पचमढ़ी में तापमान 3 डिग्री के करीब, जानें अपने यहां मौसम का हाल

मध्यप्रदेश में पिछले 5 दिन से सर्दी का सितम जारी है। पहाड़ों में बर्फबारी और सर्द हवाओं के चलते शनिवार को सागर सिवनी और जबलपुर सहित 18 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। एमपी में ठंड का दौर 16 दिसंबर तक जारी रहेगा। इसके बाद थोड़ी राहत की उम्मीद है।

मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के अनुसार, शनिवार को मंदसौर, नीमच, शाजापुर, धार, सागर, सिवनी, शहडोल, राजगढ़, जबलपुर, कटनी, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में सर्द हवा चलेंगी। जबकि, रायसेन, नरसिंहपुर विदिशा और सीहोर में सर्द हवाओं के साथ कोल्ड डे रहेगा।

शाजापुर, पचमढ़ी और शहडोल में रिकॉर्ड ठंड

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर भारत में बर्फबारी और सर्द हवाओं से एमपी में ठंड बढ़ी है। विदिशा और रायसेन में शुक्रवार सुबह ओस की बूंदे जम गईं। शाजापुर का गिरवर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 3.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पचमढ़ी में तापमान 3.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहडोल के कल्याणपुर में 4 डिग्री रहा।

जबलपुर, रीवा और रायसेन में तापमान

राजगढ़, रायसेन और उमरिया में तापमान 5 डिग्री से कम रहा। जबकि, जबलपुर, रीवा, खजुराहो, नौगांव, टीकमगढ़, मंडला, सतना और सागर में यह 7 डिग्री से नीचे रहा। भोपाल में 7.8 डिग्री, इंदौर में 9.6 डिग्री, ग्वालियर में 7 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री रहा।

एमपी के 60 लाख स्टूडेंट्स को मिलेगी स्कॉलरशिप

सीएम मोहन यादव सिंगल क्लिक से ट्रांसफर करेंगे 332 करोड़

मध्य प्रदेश के छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार (14 दिसंबर) को 60 लाख छात्र को तोहफा देंगे। मऊगंज में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मोहन यादव स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृत्ति योजना के तहत सिंगल क्लिक से छात्र के खातों में 332 करोड़ रुपए ट्रांसफर करेंगे। इसके अलावा सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना का भूमिपूजन भी करेंगे। शहडोल में मोहन यादव सरसी आइलैंड रिसोर्ट का लोकार्पण कर 350 करोड़ की सौगात देंगे।

20 प्रकार की छात्रवृत्ति दी जा रही समेकित छात्रवृत्ति योजना में एमपी के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 1 से 12 कक्षा तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्तमान में 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति शिक्षा पोर्टल से स्वीकृत की जा रही है। योजना में हर विद्यार्थी का नाम समग्र यूनिक आईडी के आधार पर उसके स्कूल के कोड के साथ

मैपिंग कर कक्षावार, स्कूलवार नामांकन ऑनलाइन किए जाने का सिस्टम शिक्षा पोर्टल एनआईसी से तैयार किया है।

इन विभागों के छात्रों को दी जाएगी स्कॉलरशिप मध्यप्रदेश में समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के तहत समेकित छात्रवृत्ति योजना लागू की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग योजना का क्रियान्वयन कर रहा है। योजना के तहत स्कूल शिक्षा के अलावा अनुसूचित जाति कल्याण, जनजातीय कल्याण, विमुक्त घुमक्कड़ और अर्द्ध-घुमक्कड़, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण और सामाजिक न्याय विभाग के छात्रों को स्कॉलरशिप दी जा रही है।

शहडोल में सरसी आइलैंड रिसोर्ट का करेंगे उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को शहडोल को भी सौगात देंगे। सीएम सरसी आइलैंड रिसोर्ट का लोकार्पण करेंगे। ब्यौहारी विधानसभा में आमसभा लेंगे। 31.68 करोड़ की लागत के 22 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। 320.17 करोड़ रु के 40 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे।

उत्तर प्रदेश अजब है राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को शरारती तत्वों ने भेजा नोटिस, अफसरों में मचा हड़कंप

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को एक अजब गजब मामला सामने आया है। यहां एक शरारती तत्व ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम नोटिस भेज दिया। मामला सामने आया तो अफसरों के हड़कंप मच गया। राज्यपाल ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। हैरान कर देने वाला यह लखनऊ की मामला मलिहाबाद तहसील का है। तहसील कोर्ट में मीरा पाल बनाम ग्राम सभा का वरासत प्रकरण विचाराधीन हैं। 11 नवंबर को किसी शरारती तत्व ने मामले में राज्यपाल को पक्षकार बनाते हुए राज्यपाल के नाम नोटिस जारी कर दिया। यह नोटिस राजभवन पहुंचा तो हड़कंप मच गया। तहसीलदार विकास सिंह ने इस नोटिस को फर्जी बताया है। कहा, वरासत के मुकदमे में राज्यपाल पक्षकार हो ही नहीं सकते। किसी शरारती व्यक्ति ने कोर्ट की मुहर लगाकर और पेशकार के फर्जी हस्ताक्षर कर यह नोटिस जारी किया है।

शंभु बॉर्डर पर पुलिस ने किसानों का जत्था रोका, दिल्ली की ओर कूच कर रहे थे किसान, अंबाला में इंटरनेट बंद

हरियाणा और पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसानों दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसानों को एक बार फिर हरियाणा पुलिस ने रोक दिया है और उन्हें आगे नहीं बढ़ने दे रही है। हालांकि, इससे पहले दो बार किसानों को बॉर्डर से वापस भेजा जा चुका है। किसान आंदोलन से जुड़े अपडेट के लिए हरिभूमि.कॉम पर जुड़े रहें।

अनिल विज ने दी प्रतिक्रिया किसान विरोध-प्रदर्शन पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है और कुछ समय मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि किसानों को अपना विरोध प्रदर्शन कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए। ऐसे में मेरी राय है कि किसानों को कोर्ट की बात सुननी चाहिए। किसानों के नेता ने सरवन सिंह पंधेर ने कहा है कि शनिवार को 101 किसानों का जत्था दोपहर 12 बजे पूरी तैयारी के साथ दिल्ली की ओर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को लग रहा होगा कि किसान बॉर्डर पार नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन, किसान सरकार को ये बता देना चाहते हैं कि 101 किसानों का जो टकराव अर्धसैनिक बलों के साथ हो रहा है। इसकी आवाज पूरे देश के किसानों तक पहुंच रही है। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा और पंजाब के किसानों से बड़ी संख्या में शंभू बॉर्डर पर पहुंचने की अपील भी की है। अब देखना होगा कि किसानों का आज का प्रयास सफल हो पाता है या आज फिर उन्हें पुलिस बल प्रयोग कर रोक दिया जाएगा।

अंबाला के 12 गांवों में इंटरनेट बैन अंबाला जिले के 12 गांवों में इंटरनेट बैन को 17 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। 12 गांव में इंटरनेट सेवाएं 14 दिसंबर सुबह 6 बजे से लेकर 17 दिसंबर रात 11.59 बजे तक बंद रहेंगी। यह आदेश हरियाणा की गृह सचिव सुमित्रा मिश्रा की ओर से जारी किया गया है। इन गांवों में डंगडेहरी, लोहगढ़, मानकपुर, डडियाना, बड़ी घेल, छोटी घेल, लहारसा, कालू माजरा, देवी नगर (हीरा नगर, नरेश विहार), सद्दोपुर, सुल्तानपुर और काकरू गांव शामिल है।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक वहीं खनौरी बॉर्डर पर मरणव्रत अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत लगातार नाजुक होती जा रही है। उनके स्वास्थ्य की जांच लगातार डॉक्टरों की टीम कर रही है। खबरों की मानें, तो डॉक्टरों की टीम का कहना है कि डल्लेवाल को कभी भी दिल का दौरा पड़ सकता है। यह एक तरह का साइलेंट अटैक हो सकता है। वहीं उनकी किडनी भी फेल हो सकती है। ऐसे में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना जरूरी है।

1 करोड़ 60 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी के मामले में सातवीं गिरफ्तारी

पुलिस ने बांग्लादेश बॉर्डर पहुंचकर पकड़ा डिजिटल अरेस्ट के आरोपी को

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा ऑनलाइन ठगी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया गया, जिसमें आरोपियों ने डिजिटल धोखाधड़ी से करोड़ों रुपये की ठगी की। इंदौर निवासी 59 वर्षीय महिला ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने स्वयं को सरकारी अधिकारी, सीबीआई, आरबीआई व पुलिस अधिकारी बताकर स्काइप और वाट्सएप के माध्यम से उनसे संपर्क किया। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल जाने का डर दिखाकर उनकी निजी और बैंकिंग जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद बैंक अकाउंट, एफडी और शेयरों की जांच के बहाने महिला से 1.60 करोड़ रुपए की ठगी की गई। क्राइम ब्रांच इंदौर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की और जांच शुरू की। पहले ही चरण में गुजरात और मध्यप्रदेश से प्रतीक जरीवाला, अभिषेक जरीवाला, चंद्रभान बंसल, राकेश कुमार बंसल, विवेक रंजन उर्फ पिंटू गिरी और अल्ताफ कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। इनसे मिली जानकारी और तकनीकी जांच के आधार पर असम-बांग्लादेश बॉर्डर के कूच बेहर (पश्चिम बंगाल) में रहने वाले अभिषेक चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया गया।

अभिषेक ने पूछताछ में बताया कि वह एमजीएम कंप्यूटर क्लास का संचालक है और कोलकाता स्थित गैंग हेड के निर्देशों पर उसने फर्जी तरीके से बैंक ऑफ महाराष्ट्र में करेंट अकाउंट खोला था। ट्रांजैक्शन लिमिट बढ़ाने के लिए उसने अपने पिता के नाम पर एक फर्जी फर्म बनाकर बंधन बैंक में भी करेंट अकाउंट खुलवाया। गैंग के अन्य सदस्यों के साथ उसने देशभर में डिजिटल धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने ट्रांजैक्शन पुणे से किए, जहां गैंग ने उसे फ्लाइट टिकट देकर भेजा था। पुणे में उसने होटल में पूरे सेटअप के तहत अन्य सदस्यों के साथ ठगी की राशि अपने खाते में ट्रांसफर की, जिसे बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिया गया।

होटल में रुका था आरोपी
पिछले दिनों शेयर बाजार कारोबारी महिला से डिजिटल अरेस्ट मामले में पुलिस द्वारा 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जो कि विभिन्न राज्यों के साथ ही मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और इसी कड़ी में अब सातवें आरोपी को भी पुलिस द्वारा पश्चिम बंगाल असम बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी अपनी गैंग के साथ मिलकर कोलकाता के एक होटल में रुका था और वहां पर पूरी योजना बनाई गई थी और एक बैंक में अकाउंट खोल कर उसका उपयोग ठगी के लिए किया गया था।
जिसमें एक करोड़ 93 लाख के ट्रांजैक्शन मिले हैं। जिसके आधार पर अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि अब तक इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। वही कई राज्यों में टीम काम कर रही है अभी तक अकॉउंट देने वाले पकड़ में आए हैं। अब आगे की कड़ी में जो जुड़े हैं उनको पकड़ने पर काम किया जा रहा है।

मोबाइल और बैंक अकाउंट बंद कर दिए
ठगी के बाद आरोपी ने बैंक अकाउंट और मोबाइल सिमकार्ड बंद कर दिए ताकि पुलिस की नजरों से बच सके। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है, और उससे पूछताछ जारी है। इस मामले में कई और खुलासे होने की संभावना है। इंदौर पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इस तरह के अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रही है।

मेडिकल कॉलेज के डीन को लेकर सरकार की नहीं चली

हाईकोर्ट ने डॉ. अशोक यादव की जगह डॉ. वी.पी. पांड को बनाया डीन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वी.पी. पांडे एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर के नए डीन बन गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को हाईकोर्ट के आदेश के बाद पदभार ग्रहण कर लिया। कोर्ट ने उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। दरअसल, 30 नवंबर को पूर्व डीन डॉ. संजय दीक्षित के रिटायर होने के बाद चार्ज एमवाय अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव को सौंपा गया था, जो डॉ. पांडे से 15 साल जूनियर हैं। डॉ. पांडे ने इस निर्णय को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसमें उन्होंने अपनी वरिष्ठता के आधार पर यह पद मांगा। हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 10 दिसंबर को दिए फैसले में कहा कि किसी वरिष्ठ प्रोफेसर को उनके जूनियर के अधीन काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला ने राज्य सरकार से सवाल किया कि बिना किसी ठोस दस्तावेज या तथ्य के जूनियर अधिकारी को चार्ज क्यों सौंपा गया। सरकार यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि डॉ. अशोक यादव को डीन का कार्यभार किस आधार पर दिया गया था।

फरवरी 2023 से शुरू हुआ विवाद
मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विजय कुमार शुक्ला ने फैसला सुनाया कि डॉ. पांडे तब तक पद पर बने रहेंगे जब तक सरकार सीधी, नियमित नियुक्ति नहीं कर देती। यह विवाद फरवरी 2023 से शुरू हुआ है, जब सरकार ने सीधी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से 18 मेडिकल कॉलेजों में डीन नियुक्त किए थे, जिसमें कथित तौर पर वरिष्ठ उम्मीदवारों की तुलना में जूनियर डॉक्टरों को तरजीह दी गई थी। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. पांडे ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पिछले डीन डॉ. संजय दीक्षित के 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद यह मुद्दा तूल पकड़ गया।

अदालत ने उठाए सवाल
औपचारिक प्रतिस्थापन के अभाव में, एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने अस्थायी रूप से कार्यभार संभाला, इस कदम की अदालत ने आलोचना की। इस बात पर सवाल उठाए गए कि एक जूनियर डॉक्टर किसी वरिष्ठ के गोपनीय रिकॉर्ड की निगरानी कैसे कर सकता है। उच्च न्यायालय के आदेश ने स्पष्ट किया है कि डॉ. पांडे अंतरिम डीन के रूप में काम करेंगे, लेकिन राज्य सरकार स्थायी प्रतिस्थापन नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र है।

अन्य मेडिकल कॉलेजों के विवाद
इस मामले के अलावा, प्रदेश के अन्य 18 मेडिकल कॉलेजों में डीन की सीधी भर्ती को लेकर भी विवाद जारी है। इन मामलों की सुनवाई 7 जनवरी को निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वे इस मुद्दे पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करें।

वनमंडलाधिकारी महेंद्र सिंह सोलंकी ने फांसी लगाकर दी जान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के वनमंडलाधिकारी महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुक्रवार को फांसी लगा ली। आत्महत्या का कारण फिलहाल पता नहीं चला। वे सरकारी बंगले में दोपहर में आए थे और अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। देर तक कमरे से नहीं निकलने पर नौकर ने कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से झांक कर देखा तो सोलंकी फांसी के फंदे पर लटके हुए थे। तब पत्नी और बेटियां घर पर नहीं थी। नौकरों ने परिजनों को भी सूचना दी। आत्महत्या की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा। उनके कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने उनका मोबाइल फोन भी जांच के लिए जब्त किया है। परिवार के लोग भी सदमे में है। सोलंकी ने कभी अपने परिजनों से भी किसी तरह के तनाव का कभी जिक्र नहीं किया। अगले वर्ष वे सेवानिवृत होने वाले थे। आत्महत्या की खबर मिलने के बाद वन विभाग के अफसर भी मौके पर पहुंचे। डीएफओ सोलंकी दोपहर में संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में जाने वाले थे, लेकिन खराब तबीयत का हवाला देकर वे बैठक में नहीं गए। वे नवरतनबाग स्थित सरकारी आवास पर थे। सोलंकी दो साल पहले इंदौर में पदस्थ हुए थे। दोपहर में जब सोलंकी बंगले पर पहुंचे तो पत्नी अपनी दोनो बेटियों के साथ खरगोन गई थी। वे वहां एक पूजा में शामिल होने गई थीं। माता-पिता नीचे के कमरे में थे और सोलंकी पहली मंजिल के कमरे में गए थे। शाम को चाय के लिए पिता ने नौकर को कमरे में भेजा तो सोलंकी ने दरवाजा नहीं खोला था। देर तक दरवाजा नहीं खोले जाने पर खिड़की से कमरे में नौकर ने झांका तो वह दंग रह गया।सोलंकी फंदे पर लटके हुए थे। सोलंकी मूलतः खरगोन के है। उनकी एक बेटी एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

पुलिस कंट्रोल रूम में महिला ने खुद को आग लगाने की कोशिश की, जहर खाया

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में एक महिला ने पुलिस कंट्रोल रूम में जहरीला पदार्थ खाकर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से उसे ऐसा करने से रोक लिया गया और तुरंत इलाज के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति सामान्य बताई गई है। महिला प्रिया जायसवाल ने बताया कि वह अपने पति की प्रताड़ना से परेशान है। उसके पति का किसी अन्य महिला के साथ संबंध है जिसके कारण वह मुझे छोड़ने का दबाव बना रहा है। महिला ने कई बार शिकायतें दर्ज कराई लेकिन कार्रवाई न होने के कारण उसने यह कदम उठाया। छोटी ग्वालटोली थाने के एसआई विजय ने बताया कि प्रिया जायसवाल (35) अपने पति गोलू के साथ हीरानगर में रहती है। उसने कहा है कि उसके मामले में सुनवाई नहीं हो रही है। इसी बात को लेकर वह रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची थी। यहां पर उसने पहले जहरीला पदार्थ खाया और फिर आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस कंट्रोल रूम होने की वजह से वहां पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी थे जिनकी नजर तुरंत उस पर पड़ गई। उन्होंने महिला को आग लगाने से रोक लिया और फिर एमवाय अस्पताल भेज दिया। महिला की हालत अभी सामान्य है। पुलिस जांच कर रही है। उसने पति पर आरोप लगाए हैं, सभी के बयानों के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। छोटी ग्वालटोली थाने के एसआई विजय के मुताबिक हीरानगर में रहने वाली प्रिया जायसवाल (35) अपने पति गोलू के मामले में सुनवाई नहीं होने को लेकर रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची थी। यहां पर उसने पहले जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद उसने आग लगाने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने महिला को आग लगाने से रोक लिया। एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां उसकी हालत सामान्य है।

क्रूर पति का बच्चा नहीं चाहिए... महिला ने कोर्ट की अनुमति से कराया अबॉर्शन

सिटी चीफ इंदौर।

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। क्रूर पति का बच्चा मुझे नहीं चाहिए। इंदौर में एक प्रेग्नेंट महिला ने हाईकोर्ट से अनुमति लेकर अबॉर्शन करवाया है। उसने एक साल पहले लव मैरिज की थी। अबॉर्शन के साथ ही इस लव मैरिज का दुखद अंत हो गया है। बताया जा रहा है कि शादी के बाद पति-पत्नी के रिश्ते में तनाव बढ़ने लगे थे। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट ने गर्भपात की अनुमति मांगी थी। महिला का कहना था कि पति का व्यवहार बहुत क्रूर था। इसलिए वह उसके बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती थी। हालांकि इससे पहले दोनों की काउंसलिंग की गई थी लेकिन दोनों तैयार नहीं हुए थे। इंदौर में रहने वाले एक युवक और युवती ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर प्रेम विवाह किया था। शुरुआती कुछ महीने तो सब ठीक रहा, लेकिन फिर छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगे। इस बीच महिला गर्भवती हो गई, जिससे झगड़े और बढ़ गए। महिला ने पति पर दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करा दिया। ये दोनों मामले अभी भी कोर्ट में चल रहे हैं।

पति लगातार कर रहा था दहेज की मांग
महिला का कहना है कि पति लगातार दहेज की मांग करता था, जिसे पूरा करना उसके परिवार के लिए संभव नहीं था। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों अलग रहने लगे। 18 हफ्ते की गर्भवती महिला ने हाईकोर्ट में गर्भपात की अनुमति मांगी। उसका कहना था कि वह ऐसे क्रूर पति से बच्चा नहीं चाहती। उसे डर था कि बच्चे का भविष्य अंधकारमय होगा। महिला बोली-नहीं चाहिए क्रूर पति से जन्म लेने वाला बच्चा।

काउंसलर ने समझाइश देने की कोशिश की
हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक महिला वकील को काउंसलर नियुक्त किया। काउंसलर ने पति-पत्नी दोनों की काउंसलिंग की लेकिन कोई हल नहीं निकला। सुनवाई के दौरान जज ने भी दोनों को समझाने की कोशिश की लेकिन दोनों अपनी जिद पर अड़े रहे। एजुकेटेड होने के बावजूद दोनों साथ रहने को राजी नहीं हुए। शादी के बाद दोनों के बीच मतभेद इतने बढ़े कि रिश्ता बचाने की परिस्थिति बची ही नहीं। इस केस में आखिरी तक काफी प्रयास हुए कि ऐसा न हो लेकिन सफलता नहीं मिली।

हाईकोर्ट ने गर्भपात की अनुमति दे दी
हाईकोर्ट ने महिला की मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई। रिपोर्ट में बताया गया कि महिला 19 हफ्ते की गर्भवती है और गर्भपात के लिए फिट है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए महिला को गर्भपात की अनुमति दे दी। इसके बाद डॉक्टरों की एक टीम ने महिला का गर्भपात करा दिया।

डेंगू से बालक की मौत, परिजन ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में डेंगू के बढ़ते मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। हाल ही में, श्याम नगर निवासी 13 वर्षीय अथर्व मित्तल की डेंगू से मौत ने शहर की स्वास्थ्य सेवाओं और प्रबंधन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस साल डेंगू से होने वाली यह दूसरी मौत है। अथर्व की तबीयत सात दिसंबर से खराब थी, जब उसके गले में दर्द शुरू हुआ। प्रारंभिक जांच और इलाज के बाद, प्लेटलेट्स कम होने पर उसे अरबिंदो अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी स्थिति और बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान प्लेटलेट्स की संख्या 40 हजार से घटकर 13 हजार तक पहुंच गई, जिसके बाद उसे डीएनएस अस्पताल रेफर किया गया। वहां वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद अथर्व को बचाया नहीं जा सका। अथर्व की मौत के बाद परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मां मीनू ने बताया कि अथर्व पैदल चलकर अस्पताल गया था और उसकी स्थिति इतनी गंभीर नहीं थी। परिवार ने बेटे की मौत के लिए अस्पताल की गलतियां जिम्मेदार ठहराई हैं। दूसरी ओर, अरबिंदो अस्पताल के प्रबंधक का कहना है कि बालक गंभीर हालत में ही अस्पताल लाया गया था और डेंगू की पुष्टि उसकी रिपोर्ट में हुई थी। स्वजन की मर्जी पर ही उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया था। डेंगू के लक्षण जैसे तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द और त्वचा पर चकत्ते दिखने पर विशेषज्ञों ने समय पर इलाज कराने की सलाह दी है। प्लेटलेट्स की गिरावट पर तुरंत ध्यान देना आवश्यक है। अथर्व की मौत ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि यह भी उजागर किया है कि स्वास्थ्य विभाग को सही समय पर जानकारी न मिलने से स्थिति और बिगड़ सकती है। डेंगू नियंत्रण और इलाज में सुधार के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला : बदमाशों पर सामान्य धाराओं में केस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा में एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने सामान्य धाराओं में केस दर्ज किया। इस मामले में पीड़ित ने डीसीपी जोन-2 से गंभीर धारा बढ़ाने के साथ आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग की है। पीड़ित ने बताया कि, आरोपी सूदखोरी का काम करते हैं। डीसीपी ने मामले को दिखवाने की बात कही है। शुक्रवार को डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के पास प्रदीप वशिष्ठ निवासी वीणा नगर पहुंचा। उसने बताया कि, 9 दिसंबर को रात में वह अपने भाई के साथ जा रहा था। इस दौरान कपिल जैन ने उसे रोका। वहीं दीपा और उसके साथी गुंडे सुनील उर्फ मिर्ची ने उसके साथ मारपीट की। उसने चाकू लेकर सिर पर वार कर दिया। जिसमें गंभीर चोट आई है। इस दौरान एमवाय अस्पताल में एमएलसी में भी डॉक्टरों ने गंभीर चोट बताई है, लेकिन पुलिस ने सामान्य धाराओं में केस दर्ज किया। इस मामले में पीड़ित ने डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा से गुहार लगाई है। जिसमें कपिल पर सूदखोरी का व्यापार करने और सुनील पर रुपए वसूलने के आरोप लगाए हैं। वहीं उन पर बॉन्ड ओवर की कार्रवाई करते हुए गंभीर धारा बढ़ाने के साथ जुलूस निकालने की मांग की है।

सराफा बाजार एसोसिएशन के चुनाव आज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के बड़े और छोटे सराफा बाजार में इंदौर चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के चुनाव शनिवार को होंगे। कुल 880 व्यापारी अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। मतदान सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक छोटा सराफा स्थित गीतांजलि प्लाजा में होगा। इसके बाद शाम 5.30 बजे मतगणना शुरू होगी और रात तक विजयी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। चुनाव में 22 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 11 सराफा विकास पैनल से और 11 निर्दलीय शामिल हैं। सभी प्रत्याशियों ने शुक्रवार को बड़े और छोटे सराफा बाजार में व्यापक जनसंपर्क कर व्यापारियों से समर्थन मांगा। इस बार मतदान प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। प्रत्येक मतदाता को 11 वोट डालना अनिवार्य होगा। 11 से कम या अधिक वोट देने पर मतपत्र अमान्य हो जाएगा। एसोसिएशन के वर्तमान सचिव अविनाश शास्त्री ने बताया कि चुनाव हर 3 साल में होते हैं और इस बार व्यापारियों में चुनाव को लेकर खासा उत्साह है। चुनाव में मुख्य चुनाव अधिकारी महेंद्र पाटीदार और सहायक अधिकारियों अरुण अग्रवाल, अनिल जैन, और गोपाल नीमा की देखरेख में प्रक्रिया संपन्न होगी। 11 विजयी प्रत्याशियों में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, सह-मंत्री और प्रचार मंत्री का चयन किया जाएगा।

नगर निगम परिषद की बैठक में हंगामा, अपर आयुक्त के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। तीन महीने बाद हुई शुक्रवार को भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक में कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। बैठक में अप्रयुक्त निधि सिंह के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया गया। बैठक में उनके खिलाफ विपक्ष और सत्ता पक्ष ने काम में लापरवाही, जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनने, फोन नहीं उठाने और फाइलें अटकाने की शिकायतें की। जिसके बाद शुक्रवार को निगम परिषद की बैठक में उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे पारित कर दिया गया। एमआईसी बैठक में शाहपुरा तालाब, अमृत-2 जैसे 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। शाहपुरा तालाब का सौंदर्यीकरण और व्यवस्थित करने का भी निर्णय लिया गया है। यहां फुटपाथ निर्माण के साथ ही तालाब में मिलने वाले सीवरेज के पानी को रोकने के बंदोबस्त किए जाएंगे। इस पर 9.16 करोड़ रुपए खर्च होगा। स्मार्ट नेविगेशन डिवाइस लगाने वाली कंपनी यूनिकॉर्न सॉल्यूशन का एग्रीमेंट खत्म कर उसे ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। ऐसे में शहर में लगी 100 से ज्यादा इन गेंट्री का संचालन नगर निगम की ओर से किया जाएगा। यही नहीं, अमृत प्रोजेक्ट के तहत शहर में 5 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की लागत से पानी की पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई। यही प्रस्ताव अब परिषद की मीटिंग में रखे जाएंगे।

कमिश्नर बीच बैठक में निकले बाहर

भोपाल नगर निगम के अधिकारी और कमिश्नर सीएम के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बैठक बीच में ही छोड़ कर चले गए। पार्षद पप्पू विलास ने इस बात का विरोध किया। जिसके बाद परिषद अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का बड़ा कार्यक्रम है, नगर निगम कई तरह की व्यवस्थाएं देख रही है। इसे

लेकर नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने भी विरोध दर्ज कराया।

होर्डिंग को लेकर की नारेबाजी

मीटिंग शुरू होने से पहले ही कांग्रेस पार्षदों ने 16 दिसंबर को कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर हटाए गए होर्डिंग को लेकर नारेबाजी की। इसे लेकर अध्यक्ष की आसंदी को घेर लिया। वहीं बीजेपी पार्षदों ने इस कहा कि जब होर्डिंग की परमिशन नहीं ली। किराया नहीं दिया, तो हटा दिए होंगे। कांग्रेस पार्षदों ने इस मामले में जमकर नारेबाजी की। उन्होंने नगर निगम प्रशासन होश में आओ, मनमानी नहीं चलेगी। परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कांग्रेस पार्षदों को आश्वासन दिया कि इस तरह की भेदभाव पूर्ण कार्रवाई नहीं होगी।

लगातार बनी रही हंगामे की स्थिति

बैठक के दौरान लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही। पार्षद गुड्?डू चौहान अवैध पार्किंग को लेकर लगातार बीच-बीच में बोलते रहे। इस पर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि अगर आप बार-बार बीच में बोलेंगे तो आपको सदन से बाहर कर दिया जाएगा। इसके बावजूद वह लगातार बोलते रहे कि इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बता दें कि लगभग तीन महीने बाद शुक्रवार को एमआईसी की बैठक हो रही है। इसमें 21 मुद्दों के प्रस्ताव मीटिंग में रखे जाएंगे। नियमानुसार दो महीने में मीटिंग होनी चाहिए, लेकिन यह 3 महीने के बाद होगी। इसके चलते विपक्ष के पहले ही हंगामा मचने के आसार थे। बता दें कि नगर निगम परिषद की मीटिंग की तारीख तय नहीं होने से सियासत गरमा गई थी।

20 प्रस्तावों को मंजूरी

एमआईसी बैठक में शाहपुरा तालाब, अमृत-2 जैसे 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। शाहपुरा तालाब का सौंदर्यीकरण और व्यवस्थित करने का भी निर्णय लिया गया है। यहां फुटपाथ निर्माण के साथ ही तालाब में मिलने वाले सीवरेज के पानी को रोकने के बंदोबस्त किए जाएंगे। इस पर 9.16 करोड़ रुपए खर्च होगा। स्मार्ट नेविगेशन डिवाइस लगाने वाली कंपनी यूनिकॉर्न सॉल्यूशन का एग्रीमेंट खत्म कर उसे ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। ऐसे में शहर में लगी 100 से ज्यादा इन गेंट्री का संचालन नगर निगम की ओर से किया जाएगा। यही नहीं, अमृत प्रोजेक्ट के तहत शहर में 5 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की लागत से पानी की पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई। यही प्रस्ताव अब परिषद की मीटिंग में रखे जाएंगे।

एमआईसी सदस्यों ने अपर आयुक्त को हटाने की जिद छोड़ी

अफसरों और एमआईसी सदस्यों के बीच पिछले ढाई महीने से चल रहे विवाद पर भी विराम लग गया है। अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान को हटाने की जिद पर अड़े एमआईसी सदस्यों ने स्वच्छ सर्वे की तैयारियों को देखते हुए अपनी मांग छोड़ दी। सूत्र बताते हैं कि, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने चौहान को बदलने से यह कहते हुए मना कर दिया था कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए टीम आने वाली है। ऐसे में अचानक प्रभारी नहीं बदल सकते।

ये काम किए जाएंगे

- शहर में चल रहे एचएफए के सभी प्रोजेक्ट की समय सीमा बढ़ाकर 2025-26 तक की गई है।
-नगर निगम के शेष खाली बचे सामुदायिक भवनों को तीन साल के किराए पर दिया जाएगा।
-करीब साढ़े चार करोड़ रुपए की लागत से आरएएफ कैंपस हिनोतिया में पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएगी।
-निगम अपने कम्युनिटी हॉल 3 साल के लिए लाइसेंस शुल्क लेकर संस्थाओं को आवंटित करेगा।

16 जनवरी से चलेगी रानी कमलापति कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। उत्तरप्रदेश प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले महाकुंभ मेले को लेकर जहां एक तरफ प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। तो वही दूसरी तरफ पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। जिसके लिए बुकिंग भी शुरू कर दी गई हैं। स्पेशल ट्रेनों का संचालन इंदौर से 21 जनवरी 2025 से होगा। तो वही रानी कमलापति से बनारस स्पेशल ट्रेन (01661) 16 जनवरी से शुरू होगा। जिसको लेकर रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। 45 दिन तक चलने वाले इस महाकुंभ मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेगे। जिसको देखते हुए रेलवे ने महाकुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है।

ऐसे होगा स्पेशल ट्रेनों का संचालन

- रानी कमलापति-बनारस स्पेशल ट्रेन (01661) 16 जनवरी से 20 फरवरी तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को संचालित होगी। ट्रेन रानी कमलापति से सुबह 11:10 बजे प्रस्थान करेगी। शाम को जबलपुर और अगले दिन सुबह 10:15 बजे बनारस पहुंचेगी।
- बनारस-रानीकमलापति स्पेशल ट्रेन (01662) से 17 जनवरी से 21 फरवरी तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को संचालित होगी। ट्रेन बनारस से दोपहर 14:45 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन भोर में जबलपुर और फिर आरकेएमबी सुबह 11:30 बजे पहुंचेगी।
- सोगरिया-बनारस स्पेशल ट्रेन (09801) 17 जनवरी से 21 फरवरी तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को संचालित होगी। ट्रेन सोगरिया स्टेशन से सुबह 8:15 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन सुबह 10.15 बजे बनारस पहुंचेगी।
- बनारस-सोगरिया स्पेशल ट्रेन (09802) 18 जनवरी से 19 फरवरी तक प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को संचालित होगी। ट्रेन बनारस स्टेशन से दोपहर 14:45 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन दोपहर 15:45 बजे सोगरिया पहुंचेगी।

इन स्टेशनों से गुजेरेगी गाड़ी

रानी कमलापति-बनारस-रानी कमलापति कुम्भ मेला एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन जो कि भोपाल मंडल के रानीकमलापति, मण्डीदीप, औबेदुल्लागंज, बुदनी, नर्मदापुरम, इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी एवं सोगरिया-बनारस-सोगरिया कुम्भ मेला एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन जो कि भोपाल मंडल के रूठियाई जंक्शन, गुना, अशोक नगर, मूंगावली स्टेशन से होकर गुजरेगी। महाकुंभ मेला में जाने के लिए अंचल के यात्रियों को दपूमरे की स्पेशल ट्रेन का भी लाभ मिलेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेल (दपूमरे) तीन महाकुंभ स्पेशल ट्रेन चलाएगा। यह ट्रेन अंचल के अन्य जिलों के श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी होगी। दपूमरे की बिलासपुर-प्रयारागज छिवकी-वाराणसी स्पेशल ट्रेन (08253/54) रायपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी होकर चलेगी। इसके अतिरिक्त रायगढ़-वाराणसी (08251/52) और दुर्ग-वाराणसी (08791/92) स्पेशल ट्रेन बिलासपुर-अनूपपुर-शहडोल, उमरिया, कटनी होकर संचालित होगी।

रातापानी टाइगर रिजर्व के संरक्षण के लिए निकाली रैली, सीएम ने चलाई बाइक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रातापानी टाइगर रिजर्व का शुक्रवार को लोकार्पण किया। इस अवसर पर रातापानी जंगल के संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया। 'विरासत से विकास' अभियान के अंतर्गत यह रैली कोलार रोड स्थित गोल जोड़ चौराहे से शुरू हुई। रैली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भी भाग लिया और अभियान की सराहना की। अभियान के दौरान अभिनेता रणदीप हुड्डा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर बधाई दी और कहा कि मैं कुरुक्षेत्र की धरती से आता हूं, जहां भगवान श्री कृष्ण ने अन्याय के खिलाफ संदेश दिया। आज मैं उस प्रदेश में हूं, जहां भगवान ने शिक्षा पाई और जहां जल, जंगल और गायों की सुरक्षा का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री बाइक चलाते हुए नजर आए। बाइक के पीछे बैठे विधायक रामेश्वर शर्मा ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लिखा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विकास की रफ्तार और तेज हो रही है... रणदीप हुड्डा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि श्री कृष्ण के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ने जो कार्य किए हैं, वह सराहनीय हैं। विशेषकर जंगलों और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रशंसा योग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर वीर सावरकर की तारीफ करते हुए कहा कि वीर सावरकर को दो बार कालापानी की सजा हुई, लेकिन वे कभी नहीं झुके। उनका आदर्श आज भी हमें प्रेरणा देता है। रातापानी टाइगर रिजर्व से एक नई इबारत लिखी जाएगी, जहां टाइगर का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, जंगल का राजा टाइगर ही होता है, क्योंकि टाइगर अपने पराक्रम से शिकार करता है। टाइगर रिजर्व की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल प्रदेश के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस टाइगर रिजर्व के उद्घाटन के लिए बाइक रैली का आयोजन रोजगार और प्रदेश को गौरव देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भोपाल और आसपास के क्षेत्र में भूगर्भीय परिवर्तन के कारण प्राचीन चित्रकला और अन्य ऐतिहासिक धरोहरें भी पाई जाती हैं। सीएम ने कहा कि भोपाल एक ऐसी राजधानी जिसके आंगन ने अपना टाइगर रिजर्व बना है।

जेल में पूर्व होमगार्ड जवान की मौत बेटे ने जेलर पर लगाए गंभीर आरोप

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल में हत्या के आरोप में बंद विचाराधीन बंदी पूर्व होम गार्ड जवान की मौत हो गई। मृतक के बेटे ने पिता की मौत को संदिग्ध बताया है। आरोप लगाया कि तीन दिन पहले जब वे पिता से मिलने गए थे तब दो लोग उन्हें कंधे पर लटकाकर लेकर आए थे। बेटे सुनील दुबे ने कहा कि हमने जेलर से उनका इलाज कराने की बात कही तो उन्होंने नाराज होकर काम से काम रखने की नसीहत दे दी। जेलर एम एस मरावी के मुताबिक आरोप निराधार हैं, जेल में होने वाली मौत की न्यायिक जांच में सब साफ हो जाएगा। प्रारंभिक तौर पर डॉक्टरों ने मौत हार्ट अटैक के कारण होना बताया है। मृतक के बेटे ने बताया कि गुरुवार को पहले कॉल पर पिता की तबीयत खराब होने की जानकारी दी गई। कुछ ही देर में उनकी मौत की जानकारी दी गई। जब हम भोपाल पहुंचे तो उनका शव मिला। जेल में समय रहते उन्हें इलाज मिलता तो शायद उनकी जान बच जाती। मामले की जांच कर रहे गांधी नगर थाने के प्रधान आरक्षक अशोक प्रजापति ने बताया कि मृतक लक्ष्मी प्रसाद दुबे पुत्र रामनिहोर दुबे (64) मूल रूप से रीवा के रहने वाले थे। वह होम गार्ड में बतौर आरक्षक पदस्थ रहे हैं। 23 फरवरी 2023 को उन्होंने हरदा में एक युवक की हत्या की थी। 3 मार्च 2023 को हरदा पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी की। कुछ समय हरदा जेल में रहे, बीते एक साल से भोपाल सेंट्रल जेल में बंद थे। उनका केस फिलहाल अंडर ट्रायल है। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक के चलते मौत की आशंका जाहिर की है। न्यायिक अभिरक्षा में हुई मौत के कारण केस की ज्यूडिशियल जांच कराई जाएगी। मृतक के बेटे सुनील दुबे ने बताया कि 7 दिसंबर को पिता से मुलाकात करने गया था, तब उनकी तबीयत बेहद खराब थी। चलने फिरने के लायक भी नहीं थी। पिता ने बताया था, तबीयत बेहद खराब है। मैंने जेलर साहब से बात की। बताया कि पिता की हालत बेहद नाजुक है। उन्हें इलाज मिल जाए तो उचित होगा। तब जेलर ने कहा कि बंदी का क्या करना है, यह मेरा काम है। आप अपने काम से काम रखें। तब मैंने कहा की चाहें तो पिता को बाहर एक बार चेक अप के लिए भेज दें।

प्रदेश व्यापी विधान सभा घेराव को लेकर कांग्रेस की तैयारी तेज

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। प्रदेश मे भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को प्रदेशव्यापी आंदोल करने जा रही है। इसे लेकर बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े नेता जोर लगाना शुरू कर दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बाद अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह भी इस आंदोल में शामिल होने के लिए वीडियो जारी कर कार्यकर्ताओं से अपील की है। शुक्रवार को कांग्रेस के महासचिव जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जिला/ शहर कांग्रेस अध्यक्षों, जिला प्रभारियों-सहप्रभारियों से जूम मीटिंग कर 16 दिसंबर को कांग्रेस के आव्हान पर आयोजित विधानसभा घेराव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का किया आव्हान किया है।

रैली में शामिल कराने का लक्ष्य निर्धारित

बैठक में 200 से अधिक जिला कांग्रेस अध्यक्षों, प्रभारी, सहप्रभारियों को जूम के माध्यम से जोड़कर आगामी 16 दिसंबर को व्यापक स्तर पर होने वाले प्रदेश स्तरीय विधान सभा घेराव की तैयारी, सुविधा जुटाने एवं उसमें आने वाली परेशानियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। घेराव कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा कांग्रेसजन शामिल हो सके इस पर विचार-विमर्श किया गया, जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक ब्लांक कांग्रेस कमेटियों, जिला/ शहर कांग्रेस कमेटियों, विधायक उम्मीदवार, पिछला चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को रैली में शामिल कराने का लक्ष्य निर्धारित किये गय हैं। क्योंकि यह घेराव कार्यक्रम प्रदेश की निकम्मी सरकार को आईना दिखाने और वहीं कांग्रेस के कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए समस्त जिले के जिला प्रभारी, सह-प्रभारी और संगठन में बैठे हर स्तर के पदाधिकारी भी इस आयोजन को पूरी गंभीरता से लें और दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगाए । पटवारी ने कहा की एक-एक कार्यकर्ता इस प्रदेशव्यापी घेराव कार्यक्रम में शामिल हो, ताकि संघर्ष की एक नई इबारत मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास लिखी जा सके। उन्होंने कहा कि अभी नहीं तो कभी नहीं, इस भावना से प्रेरित होकर इस बार हम मध्य प्रदेश में बीजेपी की जन विरोधी, निरंकुश और स्वेच्छाचारी सरकार को उखाड़ फैकने के हम दृढ़संकल्पित है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हम जन आंदोलन और विपक्ष की धारदार और पैनी भूमिका को सुनिश्चित कर रहे हैं।

सभी विधायक हो जाएं सक्रिय

विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा की मध्य प्रदेश के पूरे विधायक पूर्ण रूप से सक्रिय हो जाए और इस रैली को सफल बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दें, ताकि प्रदेश में जनता की बीच एक संदेश जाये कि प्रदेश की भाजपा जनविरोधी सरकार है और उसे उखाड़कर फैकने के लिए हम सभी कटिबद्ध है।

जनसुनवाई से उठकर जाने लगे कलेक्टर तो भड़क गईं महिला आयोग अध्यक्ष

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार के दिन महिला से संबंधित मामलो की जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष शामिल हुईं। इस बैठक में भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह, भोपाल आईजी और पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी मिश्रा को भी शामिल होना था। लेकिन, वे गैरमौजूद रहे। इसको लेकर महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर नाराजगी जताई। हालांकि भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह पहुंचे वहां पहुंचे। कलेक्टर भी प्रोटोकॉल अटेंड कर एक दूसरी मीटिंग में जाने के लिए बाहर जाना चाह रहे थे। तभी आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भड़क गई। उन्होंने कहा कि हमारी किसी भी सुनवाई में कमिश्नर-आईजी मौजूद रहते हैं। यहां पहली बार ऐसा हो रहा है कि दोनों अफसर नहीं आए। उन्होंने कहा कि अगर यह स्थिति जारी रही तो इससे महिलाओं के मामलों के प्रति अधिकारियों की गंभीरता पर सवाल उठेंगे। राष्ट्रीय महिला आयोग का आपके द्वार कार्यक्रम महिलाओं के मुद्दों को सुनने और उनका समाधान सुनने के लिए आयोजित किया जाता है। जनसुनवाई के माध्यम से शिकायतें सुनी जा रही है। इस कार्यक्रम में महिलाओं के पेंडिंग मामलों के समाधान और मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

बाइक रैली 'राइड फॉर रिस्पेक्टर' कल, 100 से ज्यादा महिलाएं होंगी शामिल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बढ़ते रेप के मामलों को लेकर राइड फॉर रिस्पेक्ट महिला बाइक रैली का आयोजन 15 दिसंबर को किया जाएगा। सलोनी ग्रामीण सोसाइटी द्वारा आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा महिलाएं भाग लेंगी। आयोजन समिति से सलोनी ने बताया कि यह रैली सुबह 8 से 11 बजे तक चलेगी और यह 10 नंबर स्थित राग भोपाली परिसर से शुरू होकर अटल पथ तक जाएगी। सलोनी ने कहा कि इस आयोजन में स्लोगन के आधार पर हम विनर्स अनाउंस करेंगे। सलोनी कहती हैं कि यह महज एक रैली से कहीं अधिक है, यह एक शक्तिशाली आंदोलन है। हम सभी महिलाओं से कहना चाहते हैं कि बाइक और स्कूटर पर निडर महिला सवार के रूप में एक साथ आएं, बलात्कार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं, महिला सुरक्षा की मांग करें और सशक्तिकरण का जश्न मनाएं।

महिलाएं सम्मान, समानता और भय से मुक्त रहने का अधिकार चाहती हैं। वे ब्लैक ड्रेस कोड के साथ आएं। कार्यक्रम में शहर की कई जानी-मानी हस्तियां भी शामिल होंगी।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन मध्यप्रदेश में लगाएगी परमाणु ऊर्जा के 4 नए प्रोजेक्ट

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भारत सरकार की न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) मध्यप्रदेश में चार नए न्यूक्लियर प्रोजेक्ट लगाने को तैयार है। इसके लिए कंपनी ने मंजूरी भी दे दी है। कंपनी ने नीमच जिले के बासी, देवास के बावड़ीखेड़ा, सिवनी के किंडराई और शिवपुरी के खाकरोन में जगह देख ली है। इन प्रोजेक्ट के लिए कंपनी जल्द ही सर्वे शुरू करेगी। इस सर्वे को लेकर केंद्रीय ऊर्जा सचिव बैठक भी करेंगे। इसी बैठक में इस सर्वे को जल्द मंजूरी मिल सकती है। गौरतलब है कि, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) आने वाले कुछ ही दिनों में इन चारों प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकती है।

सम्पादकीय

हर व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर कर सकता है ऊर्जा की बचत

हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' मनाया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाइट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है।

हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' मनाया जाता है। इसका आयोजन ऊर्जा मंत्रालय से संबद्ध ऊर्जा दक्षता ब्यूरो करता है। ज्ञात हो, इस ब्यूरो ने वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया था। दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परंपरागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है। इसी क्रम में विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' शुरू किया गया। यह एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान बन गया है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2002 में एक अन्य संगठन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाइट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। इस संबंध में लेखक योगेश कुमार गोयल अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में बताते हैं कि मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिह्नित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, एसी, हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचंड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी।

दिल्ली की चुनावी जंग में कौन पहनेगा सत्ता का ताज?

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे।

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है।

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है।

भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मालेर्ना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

हम न रहेंगे, तुम न रहोगे, फिर भी रहेंगी निशानियां...

भारतीय सिनेमा का वो दिग्गज अभिनेता जिनका नाम सुनते ही उनका चेहरा सामने आ जाता है। वह कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के पहले शोमैन राज कपूर थे। 14 दिसंबर को राज कपूर की 100वीं जयंती है। वे आज की पीढ़ी के लिए भले ही अभिनेता रणबीर कपूर के दादा हों लेकिन उन्हें एक शोमैन की तरह ही जाना जाता है।

अपने शानदार करियर में उन्होंने कई हिट फिल्में दी है। पाकिस्तान के पेशावर में जन्में राज कपूर वो अभिनेता थे जिन्होंने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर के नक्शेकदम पर चल फिल्म इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया। भारतीय सिनेमा में राज का बड़ा योगदान रहा है।

राज कपूर ने कई फिल्मों को प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया। राज कपूर ने सिर्फ 11 साल की उम्र में ही इंडस्ट्री में काम करना शुरू कर दिया था। वो पहली बार फिल्म इंकलाब में नजर आए थे। खास बात तो यह कि उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म आग थी, जिसमें उन्हें भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री नरगिस के साथ लीड रोल में देखा गया था। राज कपूर ने 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स अपने नाम किए थे। उनकी फिल्म अवारा और बूट पॉलिश को कांस फिल्म फेस्टिवल में पाल्मे डी ओर के लिए नॉमिनेटेड भी किया गया था। हिंदी सिनेमा में राज कपूर को उनके बेहतरीन काम के लिए 1971 में पद्म भूषण और 1988 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी एक्टिंग और काम को आज भी याद किया जाता है। आवारा, बरसात, श्री 420, संगम, चोरी चोरी, अनाड़ी, छलिया, तीसरी कसम, मेरा नाम जोकर, बॉबी, सत्यम शिवम सुंदरम, प्रेम रोग और राम तेरी गंगा मैली जैसी राज कपूर की कई यादगार मूवीज आज भी एवर हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। आज जो युवा हैं, राज कपूर उनके लिए रणवीर कपूर के दादा भले हों। जो बुजुर्ग हैं, वे उन्हें ऋषि कपूर के पिता के रूप में और कुछ लोग उन्हें महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर के बेटे के रूप में भले ही याद कर लें, लेकिन सच यह है कि वे फिल्मी दुनिया के कम्पलीट शोमैन थे। कम्पलीट शोमैन का यह ताज उन्हें उनके जमाने के मशहूर अभिनेता देवानंद ने दिया था...और बरसों पहले कवि शैलेंद्र ने उनकी फिल्म श्री420 के लिए जब यह गीत लिखा था- हम न रहेंगे तुम न रहोगे फिर भी रहेंगी निशानियां... तब किसे पता था कि ये पंक्तियां उनको एक नई सदी में लेकर जाएंगी। जी हां, हिन्दी सिनेमा का शोमैन कहे जाने वाले राज कपूर जिंदा होते तो 14 दिसंबर को अपनी उम्र के 100 साल पूरे कर चुके होते।

24 साल की उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले राजकपूर की फिल्में और उनके तराने आज भी हर किसी को जिंदगी से रुबरु कराते हैं। फिल्म राम तेरी गंगा मैली के निर्देशन के साथ उन्होंने सुनहरे पर्दे से विदा भले ही ले ली हो, लेकिन उनकी फिल्मों भारत ही नहीं बल्कि दुनिया में अभी भी उन्हें जिंदा रखे हुए हैं। 1985 में आखिरी फिल्म राम तेरी गंगा मैली सहित राज कपूर ने 10 फिल्मों का निर्देशन किया। उनके इसी योगदान को याद करने के लिए इस साल फिल्म जगत,प्रशंसक और परिवार उनकी 100वीं जयंती मना रहे हैं।

राज कपूर के पोते और अभिनेता रणबीर कपूर ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में फिल्म जगत के राज कपूर को याद करने के दौरान दिवंगत दादा की 100वीं जयंती 14 दिसंबर से पूरे भारत में फिल्म महोत्सव आयोजित करने का ऐलान किया था। अपने दादा को याद करते हुए उन्होंने कहा था कि मेरा नाम जोकर(1970) में बड़ी असफलता झेलने के बाद उन्होंने तीन साल बाद बॉबी के साथ वापसी की थी। रणबीर कहते हैं कि उनके दादा में नए लोगों के साथ फिल्म बनाने का साहस था। 50 साल की उम्र में उन्होंने युवाओं को लेकर फिल्म बनाई। साफ है कि वे असल में वक्त के साथ चलते रहे। उन्होंने कहा, राज कपूर को एक ऐसे शख्स के तौर पर याद किया जाता है जो लगातार खतरे उठाते हुए सिनेमा में नए प्रयोग करते थे। समाजशास्त्री संजय श्रीवास्तव कहते हैं कि समाजवाद अब व्यवहारिक नहीं माना जाता है, और उपभोक्तावाद की कीमत बढ़ गई है और 1990 के दशक से हिंदी फिल्में में यह दिखता है। बावजूद इसके राजकपूर की फिल्मों की प्रासंगिकता बनी हुई है। रूसी आज भी फिल्म आवारा के दिवाने हैं। राज कपूर की फिल्में कला और दर्शन का संगम हैं। समाज की सच्चाइयों को इस तरह दिखाती थीं कि आम जनता उनसे जुड़ाव महसूस कर सके। बूट पॉलिश और श्री 420 जैसी फिल्मों में आम लोगों के संघर्ष और मानवता की भावना को दिखाया गया। वहीं, संगम, बॉबी, सत्यम शिवम सुंदरम और राम तेरी गंगा मैली जैसी फिल्मों में प्रेम और सौंदर्य की भावनाओं को पेश कीं। फिल्म इतिहासकार अमृत गंगर के मुताबिक,राज कपूर ने भारतीय सिनेमा के इतिहास की नसों में आधुनिकतावादी लोकाचार डाला और यही उनकी फिल्मों की प्रासंगिकता बनाए रखता है। राज कपूर में लय और संगीत की अद्भुत समझ थी। इसने उनकी फिल्मों को जवां बनाए रखा। गंगर कहते हैं, मेरे विचार से राज कपूर की जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी फिल्में अभी भी सदाबहार हैं।

राज कपूर की फिल्में अकसर प्रेम, बलिदान और सामाजिक न्याय, अन्याय, सिस्टम की अकर्मण्यता, छुआ छूत, अमीरी और गरीबी रेखा की गंभीरता के विषयों को दर्शती हैं, जिसके कारण वे आम दर्शकों के बीच एक प्रिय प्रेरक व्यक्ति और शक्ति बन गए। कपूर की अनूठी शैली और उनके करिश्मे ने उनके पात्रों में जान डाल दी और उनके संवाद 1945 से आज तक प्रतिष्ठित हो गए।

' बस यहीं तो हमारे नये समाज का कमाल है। जो चोर हो, दूसरों की जेब काटते हैं, पब्लिक की आंखों में धूल डालते हैं, मेरे जैसा फर्स्ट क्लास सूट पैंट पहनते हैं...उन्हें हम शरीफ समझते हैं. और जो इमानदारी से, मेहनत मजदूरी करके पेट पालते हैं, फटे पुराने कपड़े पहनते हैं...उन्हें चोर आवारा समझकर धर लिया जाता है... ।'

फिल्म आवारा के इस दृश्य में, कपूर का किरदार राजू, रीता (नरगिस) से समाज की विकृत धारणाओं के बारे में बात करता है, जहां अच्छे कपड़े पहनने वाले अपराधियों का सम्मान किया जाता है जबकि ईमानदार, गरीब श्रमिकों को गलत आंका जाता है. शरीफों की औलाद हमेशा शरीफ होती है और चोर डाकू की औलाद हमेशा चोर डाकू होती है, अब मैं देखूंगा इस वकील की औलाद क्या होती है?

इस संवाद के द्वारा राज कपूर ने यह बताने की कोशिश की कि हमेशा ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि शरीफ की औलाद शरीफ ही होगी और बदमाश की औलाद बदमाश ही होगी क्योकि उनकी परिस्थिति ही इंसान को सही या गलत दिशा में चलने पर मजबूर करती है। जो एक बार अपराधी बन जाए वे फिर कभी शरीफ नहीं बन सकता चाहे कितना भी भेष क्यों ना बदले। फिल्म आवारा (1951) के इस डायलॉग के साथ राज कपूर ने समाज में फैली उस सोच को रेखांकित किया है जो शराफत के मुखौटे को ओढ़कर बदमाशों की पोल खोलती है। इंपोर्ट एक्सपोर्ट का मतलब है इधर का माल उधर और उधर का माल इधर। फिल्म आवारा में राज कपूर ने समाज में सफेद पोशों द्वारा शराफत से चलाए जा रहे काले धंधे पर उंगली उठाई थी।

दुनिया में एक चीज शेर-ए-बब्बर से भी ज्यादा खतरनाक और डरावनी है...और वो है गरीबी और भूख। यह संवाद आम लोगों द्वारा सामना की गई जीवन की कठोर वास्तविकताओं को दर्शाता है। मेरा नाम जोकर में कपूर एक विदूषक की भूमिका निभाते हैं जो अपने दुखों से जूझते हुए दूसरों को खुशी देता है। यह पंक्ति गरीबी और भुखमरी के खतरों पर प्रकाश डालती है और इस बात पर जोर देती है कि ये मुद्दे किसी भी जंगली जानवर के हमले से भी ज्यादा भयावह हो सकते हैं। यह समाज में अनगिनत व्यक्तियों द्वारा सामना किए गए संघर्षों की एक शक्तिशाली रिमाइंडर के रूप में कार्य करता है।

'खा गई ना आप भी कपड़ों से धोखा.. अगर आज मैं बढ़िया सूट पहने शानदार गाड़ी में बैठकर यहां आता तो शायद आप मुझे बदतमीज जाहिल गंवार ना कहती। इसमें आपका कोई दोष नहीं देवी जी जिस दुनिया में आप रहती हैं उसमें इंसान के दिल और दिमाग की नहीं उसके कपड़ों की इज्जत होती है। कीमती सूट सिल्क की कमीजे और जॉर्जेट की साड़ियों की इज्जत होती है, यही तो दुख है आज गरीब भी गरीब को नहीं पहचानता। श्री 420 में, राज कपूर ने एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है जो आंखों में सपनों के संजो कर शहर आता है लेकिन जल्द ही उसे शहरी जीवन की कड़वी सच्चाइयों का एहसास होता है। यह संवाद दिखावे के आधार पर सामाजिक निर्णयों के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह इस धारणा को चुनौती देता है कि किसी का मूल्य उसके कपड़ों या बाहरी दिखावे से निर्धारित नहीं होता है।

वह लोगों को उसके सतही निर्णयों से परे देखने और सच्चे चरित्र को पहचानने का आग्रह करता है। हम तो दिल के सौदागर हैं जी , दिल खरीदते हैं, दिल बेचते हैं। संगम की यह पंक्ति प्यार और रिश्तों के सार को खूबसूरती से दर्शाती है। राज कपूर का चरित्र दर्शाता है कि वे धन दौलत के नहीं बल्कि दिलों के व्यापारी हैं, उन्हे सिर्फ दिल से लेना देना है। वे भौतिक धन के बजाय भावनाओं का व्यापार करते हैं। यह संवाद ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ मेल खाता है जिसने धन दौलत, खूबसूरती के विरुद प्रेम की जटिलताओं का अनुभव किया है और हमें याद दिलाता है कि भावनात्मक संबंध खूबसूरती या भौतिक संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान हैं।

महिला आयोग की सदस्या ने की महिला जनसुनवाई, महिलाओं व बालिकाओं से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निस्ताण के दिए निर्देश

सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग सपना कश्यप द्वारा बाल गृह पुष्पांजलि विहार का किया गया निरीक्षण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के अन्तर्गत मा0 सदस्या, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग श्रीमती सपना कश्यप द्वारा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने, महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से तथा आवेदकों की सुगमता की दृष्टि से सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक एवं महिला जनसुनवाई की गयी। सदस्या सपना कश्यप द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु जनसुनवाई में महिलाओं व बालिकाओं के अधिकारों की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारित किया गया। उनके द्वारा 08 प्रकरणों को सुना गया जिसमें से 05 प्रकरण घरेलू हिंसा(महिला थाना) तथा 01 प्रकरण पुलिस विभाग तथा 01 प्रकरण साइबर क्राइम से सम्बन्धित तथा 01 प्रकरण महिला कल्याण विभाग से सम्बन्धित प्राप्त हुए। उनके द्वारा 01 प्रकरण को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये तथा प्रकरण में फालोअप लेते हुए निस्तारण आख्या से उन्हें अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये गये। जिला प्रोबेशन अधिकारी

अभिषेक कुमार पाण्डेय द्वारा महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिलाओं को पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना से अच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद में उ0प्र0 बाल सेवा योजना तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, कन्या भ्रूण हत्या, मानव तस्करी के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। जनसुनवाई के उपरान्त मा0 सदस्या द्वारा बाल गृह(बालिका), पुष्पांजलि विहार, जनता रोड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्था में 45 महिलायें निरूद्ध पायी गयी तथा दोपहर के भोजन में मिक्स दाल व रोटी-चावल दिया गया था जो कि ठीक पाया गया। संस्था में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु निर्देशित किया गया। जिससे कि बालिकाओं में किसी प्रकार की हाईजीन/बीमारी की समस्या उत्पन्न न हो। सर्दी का मौसम होने के कारण बालिकाओं का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें तत्काल चिकित्सक परामर्श हेतु निर्देशित किया गया। बालिकाओं द्वारा किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं की गयी। संस्था में साफ-सफाई ठीक पायी गयी तथा बालिकाओं के निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्दलाल प्रसाद, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती शिवांका गौड, महिला थाना प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं - जिलाधिकारी मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डीएलआरसी एवं डीसीसी की बैठक सम्पन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आगामी वित्तीय वर्ष 2025- 26 के लिए नाबार्ड द्वारा बनाई गयी संभाव्यता युक्त ऋण योजना (पीएलपी) जारी करते हुए 16181.06 करोड़ रुपए के ऋण प्रवाह के आकलन का अनुमोदन एवं विमोचन किया। डीडीएम नाबार्ड साद बिन अफरोज ने बताया कि नाबार्ड द्वारा जिले की संभाव्यता युक्ता ऋण योजना (पीएलपी) का निर्माण हर वर्ष इस आशय से किया जाता है कि जिले में प्राथमिकता क्षेत्र के सभी क्षेत्रों में ऋण की कोई कमी ना हो और समस्त क्षेत्रों को सुचारु मात्रा में बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध हो सके। डीएम मनीष बंसल ने जनपद के ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) 70.5 होने पर प्रशंसा करते हुए और अधिक बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कम सीडी रेशियों वाले बैंकों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए सीडी

रेशियो बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होने जनपद में भारतीय स्टेट बैंक के सभी पैरामीटर में कमी पाए जाने पर फटकार लगाते हुए उच्चाधिकारियों को डीओ लेटर लिखने की बात कही। उन्होंने निर्देशित किया कि बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं। उन्होने निर्देश दिए कि आगामी बैठक में डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ही उपस्थित होना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी बैंक के प्रतिनिधि पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में आएं। उन्होने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी बैंक सकारात्मकता से कार्य कर परिणाम देने वाले बनें। सीडी रेशियो को बढाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर 10 दिन के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि बैंकों द्वारा दिये गये छोटे-छोटे ऋण से ही आमजन की आर्थिक समृद्धि आएगी जिससे हम अपने आर्थिक उन्नति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को दिलाना सुनिश्चित करें। बैंक लक्ष्य निर्धारित कर कार्यों को करना सुनिश्चित करे। उन्होंने एलडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से आमजन को जागरूक कर योजनाओं का लाभ बताते हुए आच्छादित किया जाए। सरकार की योजनाओं से लाभ पाकर आत्मनिर्भर बन रहे व्यक्तियों के बारे में अन्य को भी बताया जाए। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों से योजनाओं के लिए दिये गये आवेदनों में स्वीकृति के उपरांत कम ऋण वितरण पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि लोन संबंधी पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। डीएम मनीष बंसल ने एनआरएलएम के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों को दिए जाने वाले लोन संबंधी पत्रावलियों के समय से निस्तारण के लिए रोस्टर बनाकर फील्ड ऑफिसर्स की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि मत्स्य पालन से संबंधी समाज से प्रत्येक सप्ताह बैठक कर विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, आरबीआई प्रतिनिधि जगजीत सिंह कालरा, एलडीएम प्रवीण जमुआर सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि एवं सबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने अफसरों की टीम के साथ किया शहर का भ्रमण, बेहट रोड स्थित निर्माण कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर रहने वाले परिवारों को किए कंबल वितरित

मानक के अनुसार अलाव का प्रबंध कराये जाने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने लगातार बढ़ रही ठंड से लोगों को राहत पहुंचाने के लिए बीती देर रात अफसरों की टीम के साथ शहर का भ्रमण किया। इस दौरान डीएम मनीष बंसल ने बेहट रोड स्थित निर्माण कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर वहां रहने वाले परिवारों को कंबल वितरित किए। उन्होंने आश्रम में रहने वालों से उनके हालचाल की भी जानकारी ली। इसके बाद जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनमंच के निकट स्थित नगर निगम द्वारा संचालित रैन बसेरे का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को परखा, जहां पर व्यवस्थाएं ठीक पाई गई। उन्होंने निर्देश दिया कि रैन बसेरे में सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देश

दिए कि कोई भी निराश्रित, गरीब एवं असहाय रात में सडक अथवा फुटपाथ पर सोने के लिए बाध्य न हों। इसके बाद उन्होंने रोडवेज बस स्टैंड पर अलाव की व्यवस्था को देखा। अलाव में जलाने के लिए कम लकड़ी होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आसपास के अन्य स्थलों पर भी मानक के अनुसार अलाव का प्रबंध कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देश दिए कि जनपद में जिन स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं, टीम बनाकर उनकी रैंडम जांच कराई जाए। इस अवसर पर उनके साथ अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दक्षिणी अबूझमाड़ में नक्सलियों के माड़ डिवीजन के विरुद्ध चल रहा नक्सल विरोधी अभियान

अभियान में 4 जिलों की डीआरजी के साथ एसटीएफ और सीआरपीएफ शामिल

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ

नारायणपुर / दंतेवाड़ा, दिनांक 10 दिसंबर 2024 को जिला नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्र दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियो की उपस्थिति की आसूचना प्राप्त होने पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त छ्त्रन्न नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव, सीआरपीएफ एवं स्त्रास्त्र की संयुक्त पार्टी गई थी। सर्चिंग के दौरान दिनांक 12.12.2024 के सुबह 3 बजे से लगातार डीआरजी,एसटीएफ और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई । सर्चिंग में अब तक दो महिला माओवादि सहित कुल 07 वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद द्य सभी इंद्रावती क्षेत्र के माओवादी होने की संभावना है। पहचान करवाई शेष है। नक्सलियों के कब्जे से हथियार सहित भरी मात्रा में दैनिक उपयोग की सामग्री भी बरामद। मुठभेड़ में सभी जवान

सुरक्षित। सर्च अभियान जारी। विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जावेगी। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज श्री सुन्दरराज पी. द्वारा बताया गया कि प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के उद्देश्य से स्थानीय पुलिस बल तथा केन्द्रीय अर्धसैनिक बल द्वारा विगत दिनों में बेहतर तालमेल एवं रणनीति के साथ काम करने के परिणाम स्वरूप in the पिछले एक साल में (13 December 2023 to 12 December 2024) में अब तक बस्तर संभाग के अंतर्गत हुई विभिन्न मुठभेड़ो के दौरान अब तक कुल 217 माओवादियों के शव बरामद की गई इसी प्रकार सिर्फ अबूझमाड़ में जहां नारायणपुर, दंतेवाड़ा और कांकेर जिले का क्षेत्र पड़ता है,1 साल में 130 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके है। सिर्फ नारायणपुर जिले में पिछले 1 साल में 56 नक्सली मारे जा चुके है। ये आंकड़े अबूझमाड़ में नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बलों के प्रहार और सफलता को दर्शाता है।

दो अलग-अलग हुई दुर्घटना में चार लोग घायल

गंभीर घायल इंदौर रैफर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मक्सी थाना क्षेत्र में रात के समय दो अलग-अलग हुई दुर्घटनाओं में चार लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली घटना मक्सी के गोलवा क्षेत्र में घटी। इस घटना में एक्टिवा और बाइक की टक्कर हो गई जिसमें शाजापुर निवासी सुनीताबाई 32 वर्ष को गंभीर चोटें आईं। सूत्रों के अनुसार सुनीताबाई उज्जैन से शाजापुर लौट रही थी तभी यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी

कि महिला का पैर टूट गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद करते हुए सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे एम्बुलेंस 107 के पायलेट राहुल गौर और ईएमटी राजेंद्र दांगी ने प्राथमिक उपचार देकर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं दूसरी घटना नैनावद के समीप घटी जहां दो बाइक की टक्कर में राजूबाई, पवन और बहादुर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद बहादुर को इंदौर रैफर किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने किया जनरल परेड का निरीक्षण

उत्कृष्ट टर्नआउट वाले पुलिसकर्मियों को किया पुरस्कृत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, पुलिस लाइन परेड ग्राउंड शाजापुर में शुक्रवार को जनरल परेड का आयोजन किया गया। रक्षित निरीक्षक वंदनासिंह एवं सूबेदार सीमा मौर्य द्वारा परेड का संचालन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुशासन बनाए रखना और पुलिसकर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। शाजापुर पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत ने परेड का निरीक्षण किया और उत्कृष्ट टर्नआउट वाले पुलिस अधिकारियों को पुरस्कृत किया। उन्होने परेड के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह जवानों में एकता और अनुशासन की भावना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शस्त्र कवायद तथा फिटनेस को बेहतर बनाता है। परेड के माध्यम से पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का भी अवसर मिलता है। परेड निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना एवं त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई बाबत् संबधित को निर्देशित किया। वहीं परेड में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को बेहतर अनुशासन में रहने एवं स्वास्थ्य के प्रति सृजग व सचेत रहने की

समझाइश दी गई। तत्पश्चात् पुलिस लाइन वाहन शाखा का निरीक्षण किया जाकर एवं पुलिस वाहनों के बेहतर रख-रखाव हेतु निर्देश दिए। पुलिस लाइन क्वाटर गार्ड निरीक्षण के दौरान क्वाटर गार्ड द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात लाईन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया जाकर आवश्यक निर्देश दिए गए। जनरल परेड में डॉग स्कॉट मय हेंडलर सहित जिले के कुल 133 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

सर्द हवाओं ने कपकपाया अंचल, खेतों में बर्फ की चादर बिछने से परेशान हुए किसान

पौधों पर सुबह के समय इस तरह बर्फ जमी दिखाई दी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। अंचल में सर्द हवाओं के बढ़ते जोर से जहां लोग बेचैन हो उठे हैं तो फसलों पर पाला पडने की चिंता ने किसानों को घेर लिया है। वहीं मौसम विभाग मौसम के और भी सर्द होने की बात कह रहा है। इस वर्ष दिसंबर माह की शुरूआत से ही सर्द हवाओं ने अंचल को अपनी आगोश में समेट लिया था लेकिन अब सर्द हवाएं सितम ढाने लगी हैं। यही कारण है कि रात के अलावा दिन भी ठिठुरन भरे साबित हो रहे हैं। निरंतर बढ़ती ठंड की वजह से गुरुवार की रात बेहद सर्द रात के रूप में दर्ज हुई और ठंडी हवाओं के चलते शुक्रवार सुबह खेतों में बर्फ की चादर बिछी दिखाई दी। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि तेज रफ्तार से चल रही सर्द हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री रहा। फिलहाल तापमान में गिरावट बनी रहेगी।

सर्द हवाओं से कपकपाया अंचल

उल्लेखनीय है कि दिसंबर माह के दिन जैसे-जैसे आगे बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे सर्द हवाओं का जोर भी बढ़ता जा रहा है। ठंड से बचने के लिए सूरज ढलते ही चौक-चौराहों पर अलाव रोशन हो रहे हैं और घरों से बाहर निकले लोग अलाव तापते नजर आ रहे हैं। मौसम के जानकार धनोतिया का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं की सरसराहट आने वाले दिनों में भी सितम ढाती रहेगी और रात के तापमान में गिरावट बनी रह सकती है। यदि मौसम विभाग की यह भविष्यवाणी सही साबित होती है तो आगामी दिनों में पाला पडने से रबी की

फसल में भारी नुकसान हो सकता है। खासकर आलू की फसल अधिक प्रभावित हो सकती है।

किसानों को पाले से बचाव की सलाह जिले में रबी फसलों की वर्तमान स्थिति अच्छी है, लेकिन विगत 2 से 3 दिनों में लगातार गिरता हुआ तापक्रम एवं बढ़ती ठंड फसलों को नुकसान पहुचा सकती है। आगामी दिनों में पाले की सम्भावना है और रात का तापक्रम 5 डिग्री सेंटीग्रेट से कम हो सकता है। ऐसे में इस विषम परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ जीआर अंबावतिया द्वारा पाले एवं ठंड से फसलों को बचाने के लिए किसानों को उचित सलाह तथा मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि जब तापक्रम लगातार 5 डिग्री सेंटीग्रेट से कम हो जाता है तो फसलों के अंदर उपस्थित पानी जम जाता है जिससे कोषिकाभित्त फट जाती है और तरल पदार्थ बाहर की तरफ आ जाते हैं। पौधे मुरझा जाते हैं इसे ही पाला या ठंड से जलना कहते हैं। पाले से पौधा-बीज खराब होकर मर जाता है और कृषकों का नुकसान होता है। इसके लिए पहले से सचेत रहना चाहिए। विशेष रूप से आलू, मटर, सरसो, काबुली चना एवं अन्य सब्जीवर्गीय फसल को बचाने हेतु उपाय करना चाहिए। उन्होने किसानों से कहा है कि पाला पडने की स्थिति में सिंचाई करने से खेत का तापक्रम 0.5 डिग्री से 2 डिग्री तक बढ़ जाता है। पाले की सम्भावनाओं को देख खेत में हल्की सिंचाई स्प्रीकंलर से करें, जिससे मिट्टी गीली रहे। बहुत अधिक या कम पानी ना दें। कुछ रसायनों के उपयोग से भी पाले से बचाव किया जा सकता है। थायोयूरिया की 500 ग्राम मात्रा का एक हजार लीटर पानी में घोल बनाकर छिडक़ाव करें। 8 से 10 किलोग्राम सल्फर डस्ट प्रति एकड़ बुरकाव अथवा वेटेबल या घुलनशील सल्फर 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडक़ाव करना भी पाले के विरूध कारगर उपाय पाया गया है। इसीके साथ खेतों, बगीचों में धुआं के लिए नम घांस या टहनियों को इस तरह जलाएं कि धुआं खेतों पर एक परत बना लें तथा खेत में फसलों, पौधों के उपर धुआ बना रहें इससे तापक्रम में 5 डिग्री अंतर आ जाता है। 6 से 8 जगहों पर धुआ करें। जला हुआ इंजन आयल या टायर जलाए तो ज्यादा धुआ हो जाएगा, यह प्रकिया आधी रात्रि के बाद करने से ज्यादा कारगर होता है।

सत्रह वर्षीय अपहृत नाबालिग बालिका को कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा सिवनी से दस्तयाब कर परिजनो को किया सुपुर्द

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 24.11.24 को थाना राजेन्द्रग्राम अंतर्गत निवासी व्यक्ति द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी सत्रह वर्षीय नाबालिग बालिका जो अपने घर से कम्पयूटर सीखने जाने कहकर घर से निकली थी जो घर वापस नहीं आई है। जो रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 498/24 धारा 137(2) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर तलाश पतासाजी की गई। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के निर्देशन में थाना कोतवाली अनूपपुर से सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिहं, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, महिला आरक्षक ऊषा सिहं को अपहृत नाबालिग बालिका की दस्तयाबी हेतु जिला सिवनी भेजी गई जो जिला सिवनी अंतर्गत ग्राम विजयपानी थाना कुरई से अपहृत हुई नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया है। नाबालिग बालिका के परिजनो ने अनूपपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

सत्रह वर्षीय अपहृत नाबालिग बालिका को कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने कोल्हापुर

महाराष्ट्र से किया दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 13 नवंबर 2024 को थाना अमरकंटक क्षेत्र की निवासी एक महिला ने थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी, जो अनूपपुर नगर के एक प्राइवेट कॉलेज के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी, अचानक बिना सूचना हॉस्टल छोड़कर चली गई। इस शिकायत पर अपराध क्रमांक 486/24, धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध कर बालिका की खोजबीन शुरू की गई।

त्वरित कार्रवाई- पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक आशीष सिंह, आरक्षक अब्दुल कलीम, और महिला आरक्षक कविता विकल को अपहृत नाबालिग बालिका की तलाश के लिए महाराष्ट्र के कोल्हापुर भेजा गया। टीम ने थाना कांगल, कोल्हापुर की सहायता से नाबालिग बालिका को शुभम राठौर (19 वर्ष), निवासी ग्राम महुदा, थाना जैतहरी, के कब्जे से दस्तयाब किया।

घटना का विवरण जांच में पाया गया कि आरोपी ने नाबालिग से सोशल मीडिया प्लेटफार्म (इंस्टाग्राम और फेसबुक) के जरिए दोस्ती कर प्रेम संबंध बनाए। इसके बाद बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ कोल्हापुर ले गया, जहां दोनों रह रहे थे। बालिका को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर की अभिभावकों से अपील पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान ने इस सफलता के लिए कोतवाली पुलिस टीम और साइबर सेल को पुरस्कृत किया। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे नाबालिग बच्चों के सोशल मीडिया और ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखें ताकि उन्हें ऐसे अपराधों से बचाया जा सके।

विधायक अनुभा मुंजारे ने धारावासी में किया सीसी सड़क का भूमिपूजन

विकास कार्यों को लेकर लगातार प्रयासरत -श्रीमती अनुभा

लकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ
लालबर्रा, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धारावासी में सीसी सड़क निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया।यह सीसी सड़क 20 लाख 8 हजार रूपये की लागत से बनेगी। जानकारी के मुताबिक विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयास से ग्राम पंचायत धारावासी में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना अंतर्गत सीसी सड़क बनायी जानी हैं। जो कि धारावासी निवासरी रामचरण के घर से श्री जायसवाल नागेश्वर के घर तक बनायी जायेगी।लंबे अर्से से यहां पर सीसी सड़क को लेकर मांग हो रही थी।विधायक अनुभा मुंजारे के संज्ञान में यह मामला आने पर उनके द्वारा पहल की गई और यह सड़क स्वीकृत हुई। सीसी सड़क का भूमिपूजन समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें सरपंच श्रीमती गौरी मनीष वड़घरे,उपसरपंच श्रीमती लीलन रामकुमार मर्सकोले सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक बहुतायत में उपस्थित रहे।सड़क के भूमिपूजन समारोह में विधायक अनुभा मुंजारे के पहुंचने पर सरपंच सहित ग्रामीणों द्वारा अगुवानी करते हुये स्वागत किया गया।इसके पश्चात सीसी सड़क के लिये भूमिपूजन किया गया और ग्राम को सीसी सड़क की सौगात विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा प्रदाय की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि लालबर्रा क्षेत्र में विकास कार्यो को लेकर वह लगातार प्रयासरत हैं। जिसमें सफलता भी मिली हैं। ग्राम पंचायत धारावासी में सीसी सड़क की मांग हो रही थी।जिसे प्रयास करते हुये प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना अंतर्गत राशि की व्यवस्था की गई हैं।निश्चित ही ग्राम के विकास में यह सड़क महत्वपूर्ण होगी। जिससे ना सिर्फ आवागमन सुलभ हो सकेगा बल्कि लोगों के समय में भी बचत होगी।हर कार्य क्षेत्र में इस स्थान से सुगमता से आवाजाही हो सकेगी।विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि क्षेत्र की जनता उनके लिये सर्वोपरि हैं। जनता के विश्वास को वह नमन करती हैं और अपने क्षेत्र के कार्यो को किस तरह से अमलीजामा पहनाना हैं उसके लिये ना सिर्फ जिला स्तर पर बल्कि शासन स्तर पर भी वह प्रयासरत रहती हैं।उन्होने कहा कि इस समय हमारे किसान भाईयों को उनकी धान की उपज का 3100 रूपये प्रति क्विंटल मिलने को लेकर संघर्ष चल रहा हैं। हम किसानों के मुददे पर साथ हैं।अभी आगामी समय में 16 दिसबंर से विधानसभा का सत्र प्रारंभ होने वाला हैं। जिसमें किसानों के मुददे सहित कई विषयों को लेकर विधानसभा का घेराव कार्यक्रम हैं। इसके अलावा सत्र में भी किसानों के मुददे को जोरशोर से उठाया जायेगा। सरकार ने चुनाव के समय और बाद में किसानों से जो वादा किया हैं उसे हर हालत में निभाना पड़ेगा। जिसके लिये हम पूरे जोर शोर से इस मामले को उठायेगें और सरकार पर दबाव बनाने का कार्य किया जायेगा। वही ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती गौरी मनीष वड़घरे ने गांव में सीसी सड़क की सौगात मिलने पर विधायक अनुभा मुंजारे के प्रति आभार जताया गया। इस कार्यक्रम में सुरेश शर्मा जी पूर्व सोसायटी समितिअध्यक्ष नेवरगांव,श्री संतोष पंचेश्वर सरपंच नेवरगांव,चुन्नीलाल ठाकरे पूर्व सरपंच देवगांव,अनिल उईके पूर्व सरपंच धारावासी,राजकुमार मर्सकोले,गोपाल मर्सकोले, राजकुमार पंचेश्वर,राजकुमार नागेश्वर,मुकुंदराय तुलसीकर, निरंजन,दिलीप टेकाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कटनी में ट्रक से गिरा लोहे का पोल

कार के सामने हिस्से को किया क्षतिग्रस्त, परिवार बाल-बाल बचा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के ट्रक से सड़क में गिरा लोहे का भारी भरकम पोल कार को चपेट में लिया गनीमत रही कि कार में सवार एनकेजे निवासी एक पूरा परिवार बाल बाल बच गया। यह पूरी घटना एनकेजे थाना क्षेत्र के जैन कॉलोनी मोड़ की है।

कार में सवार शेखर वर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कार से कटनी की तरफ आ रहे थे तभी जैन कॉलोनी मोड़ पर एक ट्रक लोहे के पोल लेकर जा रहा था । तभी एक पोल ट्रक से सड़क पर गिर गया । नीचे गिरे पोल ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि पोल कार की सामने के हिस्से में गिरा जिससे कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ।हालांकि कार में सवार लोग पूर्ण रूप से सुरक्षित है । शेखर वर्मा ने बताया कि ट्रक एलएनटी के कार्य में उपयोग होने वाले लोहे के भारी भरकम पोल को ट्रक पर लोड कर जा रहा था ट्रक की रफ्तार अधिक होने के कारण ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगाया तो ट्रक में लोड लोहे का पोल ट्रक से गिरकर सड़क में आ गया।सड़क में गिरे पोल ने एक कार को अपनी चपेट में ले लिया जिसमें एक ही परिवार के चार लोग सवार थे। कार में सवार चारों लोग सुरक्षित है । पोल कार के सामने की हिस्से में गिरा है जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है,सड़क में पोल गिर जाने से यातयात अवरुद्ध हो गया है,और काफी संख्या में लोग घंटो तक जाम में फंसे रहे । घटना की जानकारी राहगीरों ने एन के जे पुलिस को दी ।पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पोल को सड़क से किनारे करा यातयात सुचारू रूप से चालू कराया।

बस्तर ओलम्पिक 2024 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आगाज

विभिन्न इवेन्ट्स के स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
जगदलपुर, बस्तर ओलम्पिक 2024 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम, क्रीड़ा परिसर धरमपुरा और पंडरीपानी (हॉकी) में 13 दिसम्बर से शुरू हो चुका है। जिसमें बस्तर संभाग के सातों जिलों के करीब 03 हजार खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। शुक्रवार को बस्तर ओलम्पिक के विभिन्न इवेन्ट्स के स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बस्तर ओलम्पिक 2024 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सातों जिलों से 2422 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 300 नुवा बाट (आत्म समर्पित माओवादी) खिलाड़ी और नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए 18 खिलाड़ी सहित कुल 2904 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। ज्ञात हो कि जगदलपुर में 13 से 15 दिसम्बर तक आयोजित बस्तर ओलम्पिक के विभिन्न स्पर्धा के लिए इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम, क्रीड़ा परिसर धरमपुरा एवं खेलो इंडिया सेंटर पंडरीपानी को चिन्हाकित किया गया है। इसमें बॉलीबॉल, कराते, वैट लिफ्टिंग, बैडमिंटन इवेन्ट्स का आयोजन इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम में हो रहा है। वहीं क्रीड़ा परिसर धरमपुरा में कब्बडी, खो-खो, तीरंदाजी, एथेलेटिक्स एवं रस्साकसी विधा की प्रतियोगिता सम्पन्न होने के साथ ही हॉकी का मैच खेलो इंडिया सेंटर पंडरीपानी में किया जा रहा है। फुटबॉल मैच इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम और सिटी ग्राउण्ड में किया जा रहा है।इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारियों सहित सभी जिलों के नोडल अधिकारी, खेल संगठनों के पदाधिकारियों सहित खेल अधिकारी एवं खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ियों के साथ ही बड़ी संख्या में खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कटनी के दुर्गा चौक स्थित सोना बेकरी में हाईटेंशन लाइन की शार्ट सर्किट से भीषण आग

लाखों का नुकसान, दमकल की पांच गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के एन के़ जे थाना क्षेत्र के़ दुर्गा चौक स्थित सोना बेकरी मे अचानक हाईटेंशन लाइन की शार्ट सर्किट से आग भड़क उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले और आग में चपेट में पूरा ग़दाम आ गया ओर लाखों का सामान जलाकर रख हो चुका है। बेकरी मालिक मनीष जगवानी ने बताया कि दुर्गा चौक स्थित उनकी सोना बेकरी है और जब बेकरी के कर्मचारी दूसरे कमरे मे थे उसी बीच फैक्ट्री के ऊपर से लगी हाईटेंशन लाइन की शार्ट सर्किट की वजह से फैक्ट्री के अंदर अचानक आग भड़क उठी जिसमे कई लाखों का नुकसान हो चुका है जैसे ही यह घटना हुई तुरंत फैक्ट्री मे उपस्थित कर्मचारियो ने तुरंत ही इस हादसे की जानकारी दी फिर कटनी फायर स्टेशन मे सूचित किया गया जिसके तुरंत बाद मौके पर भीषण आग को बुझाने के लिए 5 दमकल वाहन पहुंच कड़ी मस्कत के बाद आग को बुझाकर आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान मौके पर एनकेजे पुलिस भी मौजूद रही ।

जिला अस्पताल के शिशु वार्ड से एनडीपीएस मामले में सजा याफ्ता महिला कैदी इलाजरत अपनी बच्ची को लेकर हुई फरार, पुलिस महकमे में हड़कंप

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिला अस्पताल के शिशु वार्ड से एनडीपीएस मामले में सजा याफ्ता महिला कैदी इलाजरत अपनी बच्चा को लेकर हुई अचानक फरार हो गई। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कं की स्थित निर्मित है।

कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि कटनी जिला अस्पताल के नई बिल्डिंग स्थित मातृ व शिशु परिचर्या परिसर के शिशु रोग वार्ड में महिला अपराधी दिल्लगी पारधी जो कि रीठी थाना क्षेत्र के बूढ़ा ललितपुर निवासी है जिसके पास से कोतवाली पुलिस ने 18 लाख कीमती मादक पदार्थ गाँजा पकड़ा गया था। कैदी महिला दिल्लगी के बच्ची का स्वास्थ्य खराब होने पर उसकी बच्ची को जिला अस्पताल के शिशु वार्ड में भर्ती किया गया था। जहां से महिला दिल्लगी इलाजरत बच्ची रोही पारधी को लेकर अस्पताल से भाग निकली। महिला कैदी के भागने की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस जिला अस्पताल सहित शहर का चप्पा-चप्पा छान रही है लेकिन महिला कैदी का कहीं पता नही लग रहा।

निजी चिकित्सालयों में दर सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य

रोगियों के अधिकार और हितों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त ने दिए निर्देश

खरगोन
आयुक्त, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने प्रदेश के सभी निजी चिकित्सालयों (नर्सिंग होम) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अस्पताल में प्रदायित सभी चिकित्सकीय सेवाओं की दर सूची (रेट लिस्ट) प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें बेहतर और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिये यह महत्वपूर्ण है।निजी चिकित्सालयों में काउंटर पर दर सूची का प्रदर्शन अनिवार्य है। रोगी या उनके परिवारजन द्वारा मांग करने पर दर सूची दिखाना अस्पताल प्रबंधन का दायित्व भी होगा। इसके अलावा, यदि किसी अस्पताल को दर सूची में संशोधन करना हो, तो इसकी लिखित सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को देना आवश्यक है। संशोधित दर सूची को भी प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। इसका उद्देश्य रोगियों के अधिकारों की रक्षा करने और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता लाना है। यह निर्देश म.प्र. उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम, 1973 और नियम, 1997 (यथासंशोधित 2021) के नियम 17 के अनुसार जारी किए गए हैं। सभी निजी चिकित्सालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे इन प्रावधानों का पालन करें। आयुक्त राठी ने समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इसके अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। दर सूची के बिना अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन है, मनमानी शुल्क वसूलने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत निरीक्षण करने के आयुक्त ने निर्देश दिये हैं।

रापी लगाकर देर रात घाट क्षेत्र में लूट की वारदात करने वाले गिरोह का देवास पुलिस ने किया पर्दाफाश

पुलिस ने महज़ 72 घण्टे में संपूर्ण गैंग को किया गिरफ्तार, संपूर्ण मथुका बरामद

देवास कन्नौद
देवास / कन्नौद विगत दिन पहले हरदा के कार सवार परिवार सीएचएल इंदौर से इलाज कराकर लौट रहा था। सिया घाट पर उनकी कार का टायर पंचर हो गया। टायर बदलने के दौरान अज्ञात आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट कर नकदी और आभूषण लूट लिया था । उक्त घटना की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई एवं पीड़ित परिवार की रिपोर्ट पर से थाना कन्नौद में अपराध क्रमांक 880/2024 धारा 309 (6), 115(2),296 क्ख्स्स् का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये थे। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) केतन अडलक के निर्देशन एवं थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम के द्वारा भौतिक, तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सिया घाट पर कुछ व्यक्ति हथियारों के साथ छिपकर बैठे हैं और कार चालको की गाडिया पंचर करने के लिये उनके द्वारा घाट के उतार पर रापी लगाई गई है। सूचना पर से पुलिस टीम द्वारा मुखबीर के बताये स्थान की घेराबंदी की गई। जंगल में पांच व्यक्ति पाये गये जो घाट के उतार पर रापी लगाकर बैठे थे ओर वाहन का टायर पंचर होने पर सवारियों को लूटने के सबंध में बात कर रहे थे पुलिस आहट सुनकर उनके द्वारा भागने का प्रयास किया गया परंतु सभी आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम बनेसिंह उर्फ बजेसिंह पिता जगन्नाथ ग्राम बापचा थाना सिध्दिगंज जिला सिहोर ,उत्तम पिता शोभाराम निवासी ग्राम नंदाना थाना नर्मदानगर जिला खण्डवा ,रामेश्वर उर्फ सुक्या पिता धूलिया निवासी ग्राम थुरिया थाना कन्नौद जिला देवास ,भजन पिता रामसिंह निवास ग्राम दावत थाना कन्नौद ,राजेश उर्फ राजू पिता नर्मदाप्रसाद होना बताया। आरोपीगण के कब्जे से वाहनो को पंचर करने हेतु लगाई गई रापी, तलवार घुरा लादिया और कुल्हाड़ी जप्त की गई। उक्त गैंग के मुखिया बजेसिंह उर्फ बनेसिंह से पूछताछ करने पर उसने बताया कि अपने साथी राजेन्द्र, कमलसिंह, मेहरबान, गणेश के साथ मिलकर दिनाक 08.12.2024 की रात्री में टवेरा वाहन में सवार दो पुरुष तीन महिलाओ के साथ मारपीट कर नगद रूपये और सोना चांदी के आभूषण लुटे थे। जिस पर पुलिस टीम द्वारा आरोपीगण गणेश पिता सजन निहाल, राजेन्द्र पिता फुलसिंह, मेहरबान पिता हरिसिंह निवासीगण नरवाखेड़ी थाना सिब्दीगंज जिला सिहोर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियो के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में अपराध पंजीबद्ध है। उक्त आरोपियो को माननीय न्यायालय से रिमाण्ड पर लेकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।
आरोपियों से जप्तशुदा सामग्री 03 मोबाईल, दो बैग व पर्स, नगदी रूपये 5000/- का मशरुका जप्त किए गए।

अटल सेना ने किया नव निर्वाचित मण्डल अध्यक्ष का स्वागत

झाबुआ....
भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित कल्याणपुरा मंडल अध्यक्ष राजेश भटेवरा का अटल सेना संगठन के पदाधिकारीयों द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया । नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को कहा सबका साथ सबका विकास के साथ ओर सभी नगर के वरिष्ठ व युवा साथियों सबको साथ में लेकर काम करेंगे। अटल सेना संगठन जिला अध्यक्ष छगनसिंह भुरिया ने मंडल अध्यक्ष जी को अटल सैनिकों के साथ समन्वय बनाकर चलने को कहा। जिसमें उपस्थित रहे पूर्व मंडल अध्यक्ष भारतसिंह राठौड़ , सरपंच पप्पू सिंह निनामा, उप सरपंच प्रकाश राठौड़ , प्रकाश चौहान , नेवसिंह मखोडिया, धीरज बुंदेला जी ,केगू निनामा अटल सेना एससी एसटी जिला मीडिया प्रभारी व अजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संतोष परमार मोर्चा जिला अध्यक्ष कैलाश भाबर जी मंडल अध्यक्ष गुड्डू गुण्डीया महामंत्री एलियंस गुण्डीया मंडल मीडिया प्रभारी इंदरसिंह भाबर अनिल निनामा रवि राठवाओर भाजपा वरिष्ठ नेता खुमान बेहरा,सौरभ पंडिया,प्रकाश चौहान,लक्ष्मण सिंह चौहान,राजेंद्र सोनी,इलेश गुंडिया जी,कैलाश परमार जी,गोपाल कटारा जी,पूर्व जिला अध्यक्ष मूलचंद बम्मानिया जी,रमन बेहरा जी केसु भाई,जिला पंचायत सदस्य रामपाल जी,पप्पू बारिया जी,यश जी,रुपसिंग चौहान जी,परमानन्द जी ओर कई भाजपा कार्यकर्त्ता की उपस्थिती मे स्वागत किया ओर पूर्व मण्डल अध्यक्ष का विदाई समारोह किया ।जिसमे भाजपा मण्डल के वरिष्ठ नेता ने नव निर्वाचित मण्डल अध्यक्ष को बधाई दी ।

मेघनगर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल नायक के पिताश्री की पुण्यतिथि पर स्कूलों में चॉकलेट वितरण

झाबुआ- रोटरी क्लब अपना के वरिष्ठ रोटेरियन पुर्व अध्यक्ष मांगीलाल नायक के पिता श्री स्वर्गीय प्रेम सिंह नायक साहब की पुण्यतिथि के अवसर पर रोटरी क्लब अपना मेघनगर द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में बच्चों को चॉकलेट एवं बॉल पेन वितरण की गई इस अवसर पर सर्वप्रथम स्वर्गीय प्रेम सिंह नायक की चित्र पर माल्यार्पण कर दिप प्रज्वलित किया रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष महेंद्र सोलंकी ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नायक साहब सरल स्वभावी एवं मिलनसार व्यक्ति थे आपने अपने जीवन में कई प्रकार के व्यवधान भी आए परंतु हंसते-हंसते हर व्यवधान को पर करते गए साथ ही उनकी एक बहुत बढ़िया बात यह रही कि पूरे जीवन में नौकरी करते हुए अपनी सामाजिक वेशभूषा के अनुसार सरल एक जैसा जीवन गुजार आप एक आदर्शवादी थे इस अवसर पर रोटरी क्लब अपना की ओर से और मेरे परिवार की ओर से शत-शत नमन एवं सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं इस अवसर पर उपस्थित रोटरी क्लब के भारत मिस्त्री, पंकज रांका, कांतिलाल नीमा, अभय जैन, आदि उपस्थित थे!

हमारा शौचालय - हमारा स्वाभिमान अभियान संपन्न

उज्जैन
जनपद पंचायत खाचरौद के अंतर्गत विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर 19 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक हमारा शौचालय - हमारा स्वाभिमान अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों का सुचारु संचालन, साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था । अभियान की मुख्य उपलब्धियां -अक्रियाशील शौचालयों को क्रियाशील बनाना - जनपद पंचायत खाचरौद के तहत सभी अक्रियाशील व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों की मरम्मत कर उन्हें उपयोग में लाया गया ।सामुदायिक शौचालयों की सफाई और सौंदर्यीकरण- सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई और जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की गई । सभी सामुदायिक शौचालयों का रंग-रोगन कर उनमें स्वच्छता संदेश वाले पोस्टर लगाए गए ।स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता ग्राम सभाओं और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को शौचालय उपयोग और स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया । जनभागीदारी- ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता रैलियां और सामूहिक स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित किए गए । स्थानीय समुदाय, स्वसहायता समूहों (स।त्नह्य), और स्वच्छता कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की !
पुरस्कार और प्रोत्साहन- अभियान के दौरान सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों, शौचालय उपयोगकर्ताओं, और सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया । उत्कृष्ट सामुदायिक और व्यक्तिगत शौचालयों को प्रमाण पत्र और प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।
जनपद पंचायत खाचरौद का संदेश हमारा शौचालय - हमारा स्वाभिमान अभियान की सफलता में जनपद पंचायत खाचरौद प्रशासन, पंचायत पदाधिकारियों, ग्रामीण नागरिकों, और सहयोगी संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा । यह अभियान स्वच्छता की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है । जनपद पंचायत खाचरौद सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे इस जागरूकता को बनाए रखें और स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं ।

जंगली जानवरों से एवं आवारा मवेशी से परेशान किसान

शाजापुर
शाजापुर का किसान रात और दिन कड़ाके की ठंड में अपने खेतों की रखवाली करने के बाद भी बहुत परेशान हिरण नीलगाय जंगली सूअर आदि की तादाद बड़ी मात्रा में एवं साथ में आवारा मवेशियों का झुंड हरियाली देख खेतों में घुस जाया करते हैं एवं अति परिश्रम से बोई हुई खेती को नष्ट कर देते हैं किसानों द्वारा कई बार शासन से शिकायत की लेकिन कोई असर नहीं हुआ भारतीय किसान संघ द्वारा भी कई बार शासन का इस और ध्यान आकर्षित किया गया है लेकिन कोई फायदा नहीं मूली खेड़ा के हुकम सिंह पाटीदार कहीं शिकायत कर चुके हैं शान द्वारा हिरना का अभ्यारण बनाने की भी योजना थी लेकिन वह भी धरातल पर नहीं उतरी किसानों द्वारा मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द शासन इस और ध्यान दें जिससे किसानों की फल फसल नष्ट होने से बचाई जा सके।

अधिक से अधिक हितग्राहियों को चयन कर योजनाओं से लाभांवित करें- कलेक्टर सुश्री बाफना

जनकल्याण अभियान के क्रियान्वयन के लिए शुजालपुर एवं कालापीपल में बैठकों का आयोजन हुआ

शाजापुर
जनकल्याण अभियान 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 एवं जनकल्याण पर्व 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2024 के व्यापक क्रियान्वयन के लिए आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने शुजालपुर एवं कालापीपल के सरपंचों, सचिवों सहित मैदानी स्तर पर कार्यरत शासकीय सेवकों की बैठक लेकर कहा कि अभियान के दौरान घर-घर संपर्क कर अधिक से अधिक हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभांवित करें। साथ ही योजनाओं का क्रियान्वयन कर संतृप्ता की ओर ले जाये।
कलेक्टर सुश्री बाफना ने बैठक के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि जनकल्याण पर्व के दौरान शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं का मैदानी स्तर पर शतप्रतिशत क्रियान्वयन किया जाना है। सभी सरपंच एवं सचिव विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकरी प्राप्त करें और उसका क्रियान्वयन कराएं। कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभांवित करें तथा इसकी जानकारी गूगल फार्म में प्रतिदिन भरें। अभियान के क्रियान्वयन के लिए सचिव की सक्रियता आवश्यक है। सरपंचगण अपने क्षेत्र के हितग्राहियों को लाभांवित करने में सहायक बनें और जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। जिन परिवारों में पहले से ही 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों का नाम आयुष्मान कार्ड में जुड़ा है, वे भी अलग से ई-केवायसी कराएं, इससे उन्हें बीमार पड़ने पर 5 लाख रूपये तक के उपचार का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा।
***प्रगति पत्रकों का वितरण** कलेक्टर सुश्री बाफना ने शुजालपुर एवं कालापीपल में बैठक के दौरान प्रतीक स्वरूप शुजालपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भोगीपुर एवं भ्यानाजादोपुर तथा कालापीपल की ग्राम पंचायत आलनिया एवं बेहरावल को प्रतीक स्वरूप प्रगति पत्रकों का वितरण किया। शेष ग्राम पंचायतों को भी कार्यक्रम के पश्चात प्रगति पत्रक वितरित किये गये। कलेक्टर ने संबोधित करते हुए कहा कि शाजापुर जिले में प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए पंचायत प्रगति पत्रक बनाया गया है। यह प्रगति पत्रक प्रतिमाह पंचायतों को दिया जायेगा। प्रगति पत्रक में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का उल्लेख है। प्रगति पत्रक से पंचायत यह न समझें कि यह उनकी ग्रेडिंग की जा रही है, बल्कि प्रगति पत्र योजनाओं की स्थिति बताने के लिए हैं, जिससे*

पंचायत अपने क्षेत्र में और भी अच्छा काम कर सकेगी। उन्होंने सरपंचों से कहा कि अपने क्षेत्र में तालाब निर्माण की साईट का चयन करें और अधिक से अधिक तालाब खुलवाएं। तालाब निर्माण के उपरांत इसे मछली पालन के लिए स्वसहायता समूहों या मछुआ समिति को दें, इससे उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही भूमिगत जल स्तर में सुधार भी आयेगा। कलेक्टर ने सभी सरपंचों से कहा कि ग्रामों में वे किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लिए प्रेरित करें, ताकि किसानों को समय पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि प्राप्त हो सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर ने भी संबोधित करते हुए अभियान के बारे में विस्तार से बताया।इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने राजस्व सेवा अभियान सहित विभागीय योजनाओं, एलडीएम श्री विनोद कुशवाह ने अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, कृषि उपसंचालक श्री केएस यादव ने कृषि विभाग की योजनाओं, उपायुक्त सहकारिता श्री ओपी गुप्ता ने किसान क्रेडिट कार्ड, उद्योग महाप्रबंधक श्रीमती मेघा सुमन ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना सहित अन्य योजनाओं, उद्यानिकी के उपसंचालक श्री मनीष चौहान ने पीएमएफएमई, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. प्रशांत महाडिक ने पशु क्रेडिट कार्ड योजना सहित स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, मण्डी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती रूषाली पोरस, शुजालपुर में श्री अशोक नायक, जिला पंचायत सदस्य श्री मुरारी पटेल, श्री रामचन्द्र पाटोदिया, श्री गोविन्द मंडलोई एवं श्री अशोक मालवीय, कालापीपल में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता भोजराज परमार, नगरपालिका अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री नवीन शिंदे, श्री कृपालसिंह मेवाड़ा, श्री कमलसिंह मीणा, श्री लीलाधर गौड़ एवं श्री सुरेश परमार भी उपस्थित थे।

भारत का कनाडा को करारा जवाब

कहा- देश विरोधियों को वीजा नहीं देंगे, संप्रभुता में दखल बर्दाश्त नहीं

नेशनल डेस्क. भारत ने कनाडा को एक बार फिर स्पष्ट संदेश दिया है कि देश विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को वीजा नहीं दिया जाएगा।
कनाडा सरकार और मीडिया में भारत पर वीजा न देने को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि भारत को यह तय करने का पूरा अधिकार है कि वीजा किसे देना है और किसे नहीं।
विदेश मंत्रालय ने कहा कि जो लोग भारत की अखंडता और संप्रभुता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें वीजा देना मुमकिन नहीं है।
उन्होंने कनाडा के मीडिया की रिपोर्टों को भारत को बदनाम करने की कोशिश बताया।
मंत्रालय ने यह भी कहा कि कनाडा की मीडिया द्वारा इस मामले में टिप्पणी करना भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप जैसा है। कुछ रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि भारत कनाडा के नागरिकों को वीजा नहीं दे रहा, जबकि सच्चाई यह है कि वीजा मांगने वालों में कई खालिस्तान समर्थक शामिल हैं।
भारत ने कनाडा सरकार से अपील की है कि वह अपने देश में भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहले भी इस मुद्दे पर बात की गई है, लेकिन कनाडा सरकार केवल सबूत मांगती रही है और ठोस कदम नहीं उठाए।

ट्रंप का निर्देश- रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दे तो उसे तुरंत मार गिराओ

इंटरनेशनल डेस्क.अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देने वाले रहस्यमयी ड्रोन को ''मार गिराने का निर्देश दिया है। रहस्यमयी ड्रोन सबसे पहले न्यू जर्सी में देखे गए थे लेकिन उसके बाद से अब इस प्रकार के ड्रोन अन्य स्थानों पर भी दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस ने अब तक यही कहा है कि इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी हाथ होने का कोई सबूत है लेकिन फिर भी रहस्यमयी ड्रोन का दिखना जांच का विषय है। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ''देश भर में रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दिए हैं।
क्या यह वास्तव में हमारी सरकार की जानकारी के बिना हो रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता, या तो जनता को इसके बारे में अभी जानकारी दो अथवा उन्हें मार गिराओ। ट्रंप ने इस पोस्ट के अंत में अपने हस्ताक्षर भी किए। इससे पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कार्यालय एवं राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि ड्रोन देखे जाने की कथित घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं या उनका किया अन्य देश से संबंध है।
व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं, तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं। किर्बी ने कहा, '' अमेरिका का तट रक्षक बल न्यूजर्सी को सहयोग दे रहा । महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में ड्रोन दिखाई देने की कोई सूचना नहीं है....।

सीरिया से निकाले गए रवि भूषण बोले- मैं भारत सरकार का आभारी हूं

इंटरनेशनल डेस्क. सीरिया से भारत लौटे भारतीय नागरिकों में से एक गाज़ियाबाद निवासी रवि भूषण ने सीरिया में चल रहे संघर्ष की भयानक स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने भारतीय दूतावास द्वारा उनकी वापसी के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।
रवि भूषण 75 भारतीयों में से पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने सीरिया से वापसी की, उन्होंने बताया, भारत ने एक बचाव अभियान शुरू किया और हम पहले दल थे, जिन्हें सीरिया से निकाला गया। सबसे अछी बात यह है कि दूतावास ने हमसे लगातार संपर्क किया। वे हमें प्रोत्साहित कर रहे थे और पूछ रहे थे कि क्या हम ठीक हैं। सीरियाई दूतावास हमें हर घंटे संदेश भेजकर अपडेट कर रहा था कि वे क्या कर रहे हैं। अगर किसी को खाने या किसी अन्य समस्या का सामना हो रहा था, तो वे उसका प्रबंध कर रहे थे। हम भारतीय सरकार और दोनों देशों के भारतीय दूतावास - लेबनान और सीरिया के बेहद आभारी हैं। भूषण ने बताया कि सीरिया में अन्य देशों के नागरिकों को देखकर उन्हें भारतीय सरकार के प्रयासों की सराहना हुई। हमने देखा कि दूसरे देशों के लोग कितनी कठिनाई झेल रहे थे। छोटे बचे और महिलाएं 4-5 डिग्री तापमान में 10-12 घंटे बाहर बैठने को मजबूर थे। यह वाकई बहुत भयानक था, लेकिन भारतीय सरकार के कारण हमें ऐसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ा। सीरिया की स्थिति के बारे में बताते हुए भूषण ने कहा- सीरिया की स्थिति बहुत खराब है। हर जगह लोग एक-दूसरे पर गोली चला रहे हैं। बमबारी हो रही है, बैंकों में लूट हो रही है। उन्होंने हवाई अड्डे को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। होटल और अन्य जगहों पर खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। स्थिति वहां बहुत खराब है और मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में यह और भी बुरी हो जाएगी। भूषण ने बताया कि वे कुछ दिनों के लिए व्यापारिक मीटिंग के लिए सीरिया गए थे। उस समय स्थिति सामान्य थी, लेकिन अचानक विद्रोह शुरू हो गया। मैं व्यापार के कारण वहां गया था। उस समय स्थिति ठीक थी। हमारे ग्राहक ने भारतीय दूतावास से संपर्क किया और कहा कि वहां सब कुछ सामान्य है। लेकिन 2-3 दिनों के बाद अचानक स्थिति बदल गई और हमें ऐसी स्थिति का सामना नहीं करने की उम्मीद थी। लेबनान में भारतीय दूतावास द्वारा जारी बयान के अनुसार, सीरिया से 75 भारतीय नागरिकों को निकाला गया, जिनमें जम्मू और कश्मीर के 44 जायरिन भी शामिल थे, जो सईदा जैनब में फंसे हुए थे। ये सभी 15 दिसंबर को बेरुत पहुंचे। सीरिया की स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब रविवार को सीरियाई विद्रोहियों ने दमिश्क में प्रवेश किया, जिससे राष्ट्रपति बशर अल-असद को देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा और उनका दो दशकों से यादा का शासन समाप्त हो गया।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री बने फ्रांस्वा बायरू राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की घोषणा

इंटरनेशनल डेस्कः फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को फ्रांस्वा बायरू को प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया था, जिसके कारण प्रधानमंत्री माइकल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा था।
मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन में महत्वपूर्ण साझेदार 73 वर्षीय बायरू दशकों से फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति रहे हैं। उनके राजनीतिक अनुभव को देश में स्थिरता बहाल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। मैक्रों ने पिछले सप्ताह अपने कार्यकाल के अंत तक (2027) पद पर बने रहने का संकल्प जताया था। मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बायरू को ''नई सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा गया है।
उम्मीद है कि बायरू आने वाले दिनों में नए मंत्रियों के चयन के लिए विभिन्न दलों के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। यह कार्य चुनौतीपूर्ण प्रतीत होता है, क्योंकि मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन के पास संसद में बहुमत नहीं है और बायरू के मंत्रिमंडल को सत्ता में बने रहने के लिए वामपंथी और दक्षिणपंथी दोनों पक्ष के उदारवादी सांसदों पर निर्भर रहना होगा।
कुछ रूढ़िवादियों के नयी सरकार का हिस्सा बनने की उम्मीद है। बायरू को हाल में यूरोपीय संसद के धन के गबन के आरोप वाले मामले में बरी कर दिया गया था। बायरू फ्रांसीसी जनता के बीच तब लोकप्रिय हुए जब वह 1993 से 1997 तक सरकार में शिक्षा मंत्री रहे थे। वह तीन बार 2002, 2007 और 2012 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे थे।

सर्दी के मौसम में क्यों फैलते हैं जुकाम और फ्लू! जानिए इसके पीछे की वजह

नेशनल डेस्क. सर्दी के मौसम में आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि गीले बालों के साथ बाहर मत जाओ, वरना जुकाम हो जाएगा, या कोट पहने बिना बाहर मत निकलो, नहीं तो आपको जुकाम हो जाएगा। हालांकि, यह पूरी तरह से सही नहीं है। सच्चाई थोड़ी जटिल है। ठंड से आपको सीधे जुकाम नहीं होता, लेकिन ठंडे मौसम में सर्दी-जुकाम और फ्लू से संबंधित वायरस आसानी से फैल सकते हैं।

ठंड में क्यों फैलता है वायरस का ज्यादा संक्रमण

शोध बताते हैं कि ठंडे मौसम में वायरस, जैसे राइनोवायरस (जो सामान्य सर्दी का कारण बनता है), फ्लू और कोविड-19 तेजी से फैलते हैं। इसका एक कारण यह है कि ठंडे और शुष्क मौसम में वायरस लंबे समय तक सक्रिय रहते हैं और जल्दी फैलते हैं। इसके अलावा जब तापमान कम होता है तो लोग आमतौर पर घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं और एक दूसरे के साथ निकट संपर्क में रहते हैं, जिससे वायरस का फैलाव और बढ़ जाता है।

क्या ठंडी हवा और शुष्क मौसम वायरस को ज्यादा फैलने में मदद करते हैं?

ठंड का मौसम इन्फ्लूएंजा (फ्लू) वायरस की बाहरी झिल्ली को बदल सकता है, जिससे वायरस का रूप ज्यादा कठोर और रबर जैसा हो जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसी बाहरी झिल्ली से वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से संक्रमण कर सकता है। इसके अलावा सर्दियों में शुष्क हवा वायरस को लंबे समय तक संक्रामक बनाए रखने में मदद करती है। शुष्क हवा में छींक और खांसने से निकलने वाली बूंदें जल्दी सूखकर छोटे कणों में बदल जाती हैं, जो हवा में लंबे समय तक रहते हैं और दूर-दूर तक फैल सकते हैं।
सर्दी के मौसम में हमारी इम्यून सिस्टम पर क्या असर पड़ता है?
सर्दी के मौसम में हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली भी प्रभावित होती है। ठंडी हवा से श्वसन मार्ग में प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे वायरस के लिए शरीर में बने रहना आसान हो जाता है। यह कारण है कि ठंड से बचाव के लिए स्कार्फ या मास्क पहनने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे नाक और मुंह से अंदर जाने वाली हवा गर्म हो जाती है और इन्फेक्शन का खतरा कम होता है।

कम धूप और शारीरिक गतिविधि का भी असर

सर्दी के मौसम में सूरज की रोशनी कम मिलती है, जो एक बड़ी समस्या हो सकती है। सूरज की रोशनी से हमें विटामिन डी मिलता है, जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए जरूरी है। इसके अलावा सर्दी में शारीरिक गतिविधि भी कम हो जाती है। बर्फीले मौसम में लोग बाहर जाकर व्यायाम करने के बजाय घर के अंदर रहते हैं, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है और वायरस का संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या ठंड में बीमारियां ज्यादा फैलती हैं?

हां, सर्दी के मौसम में फ्लू, रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस और अन्य श्वसन संबंधित वायरस का फैलना ज्यादा सामान्य है। हालांकि, कोविड-19 जैसे वायरस ठंडे मौसम में फैलने वाले श्वसन वायरस नहीं हैं। उदाहरण के लिए 2020 के बाद से कोविड-19 संक्रमण गर्मियों में बढ़े हैं, जबकि ठंड में इसका फैलाव कम रहा था।

जो बाइडेन ने 1500 कैदियों की सजा की माफ, चार भारतीय मूल के अमेरिकियों को भी मिली राहत

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो रहा है, लेकिन कार्यकाल की समाप्ति से पहले उन्होंने कई बड़े फैसले लिए हैं। बाइडेन ने हाल ही में अमेरिकी जेलों में बंद 1500 कैदियों की सजा माफ करने का ऐलान किया है। इनमें चार भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं।

सजा माफ करने का ऐलान

राष्ट्रपति बाइडेन ने एक बयान में कहा- अमेरिका उन लोगों को दूसरा मौका देने के वादे पर खड़ा है, जो अपने किए पर पछताते हैं और समाज में फिर से अपने कदम रखना चाहते हैं। उनके पास राष्ट्रपति होने के नाते ऐसे लोगों को क्षमा करने का विशेषाधिकार है, जो ड्रग्स के मामलों में दोषी ठहराए गए हैं और अब सुधारने के इच्छुक हैं। आज उन्होंने 39 लोगों की सजा माफ करने का फैसला किया है और लगभग 1500 लोगों की सजा कम करने के लिए भी काम कर रहे हैं। बाइडेन ने यह भी बताया कि अमेरिका में यह एक दिन में दी गई सबसे बड़ी सजा माफी है।

भारतीय मूल के अमेरिकियों की सजा माफ

राष्ट्रपति बाइडेन ने जिन चार भारतीय मूल के अमेरिकियों की सजा माफ की है, जिनमें - मीरा सचदेवा, बाबूभाई पटेल, कृष्णा मोटे, और विक्रम दत्ता है। इनमें से मीरा सचदेवा को दिसंबर 2012 में धोखाधड़ी का दोषी ठहराए जाने के कारण 20 साल की जेल और 82 लाख डॉलर का जुर्माना सुनाया गया था।

बाइडेन के बेटे की भी सजा माफी

राष्ट्रपति बाइडेन ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए अपने बेटे हंटर बाइडेन की सजा भी माफ की थी। हंटर पर कई गंभीर आरोप थे, जिनमें टैक्स चोरी, हथियार रखने का अपराध, सरकारी पैसे का दुरुपयोग और झूठी गवाही देने जैसे मामले शामिल थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569